वैशाख कृष्ण पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 270 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 अप्रैल 2026 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
33.4 अधिकतम
19.4 न्यूनतम

कोलकाता-पंजाब, समय : दोप. 7.30 बजे

आखिरी मौका... पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र के मध्यस्थ ले रहे हैं चर्चा में हिस्सा

45 दिन के सीजफायर पर बात, अगले 48 घंटे निर्णायक... फिर ईरान पर बड़े हमले

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगातार कई डेडलाइन की घोषणाओं के बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वॉशिंगटन, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ 45 दिन के संभावित सीजफायर पर चर्चा कर रहे हैं, जिससे युद्ध का स्थायी अंत हो सकता है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट शांति वार्ता की जानकारी रखने वाले अमेरिकी, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से दी है। पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र के मध्यस्थ इन वार्ताओं में हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच टेक्स्ट मैसेज के जरिए भी बातचीत शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक अगर यह समझौता हो जाता है तो यह दो चरणों में होगा। पहला चरण 45 दिन का सीजफायर होगा, जिसके दौरान युद्ध के स्थायी अंत के लिए मध्यस्थता की जाएगी। दूसरे चरण में, आदर्श रूप से, युद्ध को समाप्त करने का एक समझौता शामिल होगा। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से दी गई समयसीमा खत्म होने का वक्त जैसे-जैसे करीब आ रहा है, अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले तेज कर दिए है। राजधानी तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक शहर की एक रिहायशी इमारत पर हुए हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है। तेहरान में शरीफ यूनिवर्सिटी पर को भी निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने इन हमलों और वहां इमारतों को हुए नुकसान की जानकारी दी, साथ ही परिसर के पास स्थित प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र पर भी असर पड़ने की बात कही। इस यूनिवर्सिटी पर वर्षों से कई

देशों ने प्रतिबंध लगा रखे हैं क्योंकि इसका सैन्य कार्यों, खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से संबंध रहा है। यह मिसाइल कार्यक्रम अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के नियंत्रण में है। रिवोल्यूशनरी गार्ड और अन्य सुरक्षा बल अपने ठिकानों पर लगातार हमलों के कारण वैकल्पिक स्थानों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ट्रंप की धमकी से ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई सख्त चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रविवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4% बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड में 1.8% की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

ग्लोबल सप्लाई ठप करने की धमकी

इस बीच ईरान ने संकेत दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट अब उसके नियंत्रण में एक रणनीतिक हथियार बन चुका है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 15 जहाजों को उसकी अनुमति के बाद स्ट्रेट से गुजरने दिया गया। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है। ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा कि किसी भी बड़ी कार्रवाई का जवाब सिर्फ सैन्य स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा और व्यापार पर असर डालकर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ही नहीं, बल्कि बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्ते भी खतरे में आ सकते हैं।

नेपाल में फ्यूल संकट, फाइव डे वीक

नेपाल में फ्यूल संकट के चलते सरकार ने सरकारी दफ्तरों और शैक्षणिक संस्थानों में अब 5 दिन का वर्क वीक लागू करने का ऐलान किया है। यह फैसला इमरजेंसी कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसके तहत अब शनिवार और रविवार दोनों दिन छुट्टी रहेगी। इससे पहले नेपाल में सिर्फ शनिवार को साप्ताहिक अवकाश होता था। बताया जा रहा है कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण ईंधन सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे यह कदम उठाना पड़ा।

अरुणाचल के सीएम को झटका

सरकारी ठेकों के मामले में CBI जांच के आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सीएम पेमा खांडू के परिवार से जुड़ी कंपनियों को सरकारी ठेके देने के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई को आदेश दिया है। यह मामला 1270 करोड़ रुपये के ठेकों में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है, जिसमें खांडू परिवार की 4 कंपनियां शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को सीबीआई के साथ पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है और राज्य के मुख्य सचिव को केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी रिकॉर्ड नष्ट न हो। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, सीबीआई एक प्रारंभिक जांच दर्ज करेगी। इसमें नवंबर 2015 से 2025 तक के अवार्ड और उनके क्रियान्वयन को शामिल किया जाएगा।

न्यूज विंडो

केरल में बीजेपी कार्यकर्ता के घर पर फेंका विस्फोटक

बेंगलुरु। केरल में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। नेताओं की बयानबाजी के साथ ही कार्यकर्ताओं के घर पर हमले भी हो रहे हैं। कन्नूर के काथिरूर में भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता के घर पर विस्फोटक फेंका गया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात काथिरूर के पास कोंकाची इलाके में मजीशा पथायाकुन्नु के आवास पर हुई।

मणिपुर में 2 उग्रवादी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। मणिपुर में 2 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के इनपुट पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान ये कामयाबी मिली। दोनों उग्रवादियों की पहचान हो गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से मिले इनपुट और अपने सोर्सेज से मिली जानकारी के आधार पर एक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इनपुट में बताया गया था कि यांगौबुंग गांव के इलाके से दो कैडर भारत में घुसपैठ कर सकते हैं। सर्च ऑपरेशन के दौरान सिक्योरिटी फोर्सेज ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र में यांगौबुंग गांव के पास कार्रवाई करते हुए दो कैडर को गिरफ्तार किया।

देश के सेवा क्षेत्र की रफ्तार मार्च में धीमी

नईदिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च 2026 में धीमी पड़ गई है। एचएसबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया सर्विसेज पीएमआई फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया, जो पिछले 14 महीनों का सबसे धीमा विस्तार है। हालांकि, सूचकांक अब भी अपने दीर्घकालिक औसत 54.4 से ऊपर बना हुआ है, जो संकेत देता है कि सेवा क्षेत्र में कुल मिलाकर वृद्धि जारी है। पीएमआई एक आर्थिक सूचकांक है, जो बताता है कि किसी देश के उद्योग या सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़ रही हैं या घट रही हैं। इसे कंपनियों के खरीद प्रबंधकों से सर्वे के जरिए तैयार किया जाता है।

प्रिंसिपल ने किया छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास

हापुड़। थाना हाफिजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित निजी जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा को कक्षा सात की 13 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि सुबह छात्रा वार्षिक परीक्षा का रिजल्ट लेने स्कूल पहुंची थी। प्रधानाचार्य राजकुमार शर्मा ने रिजल्ट देने के बहाने उसे अपने कक्ष में बुला लिया। आरोप है कि वहां आरोपी ने छात्रा के जबरन कपड़े उतार दिए और दुष्कर्म का प्रयास किया। डरी हुई छात्रा किसी तरह शोर मचाती हुई स्कूल से बाहर भागी और घर जाकर परिवार को पूरी घटना बताई।

भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोले सीएम

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव हमारा लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज कहा कि भाजपा की यात्रा जनसंघ के समय से लोकतंत्र को साक्षी मानकर शुरू हुई है। यह यात्रा परमात्मा का प्रसाद है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर की विसंगतियों के खिलाफ अपने प्राण न्योछावर किए।

आज 17 जिलों में पार्टी कार्यालयों का भूमिपूजन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रभारी मंत्री, जिलाध्यक्ष, विधायक, प्रभारीगण और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के राजनीतिक परिदृश्य में पूंजीवाद और साम्यवाद के बीच दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर कार्य किया जा रहा है। राजनीति का उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाना है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा की विचारधारा सहभागिता पर आधारित है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और अन्य नेताओं ने आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने मूल विचारों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 17 जिलों में कार्यालय निर्माण की शुरुआत कर रही है। लक्ष्य है कि अगले स्थापना दिवस से पहले प्रदेश के सभी 62 जिलों में भाजपा के अपने कार्यालय हों। खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका कार्यकर्ता है।

जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को उम्रकैद

रायपुर, एजेंसी

साल 2003 के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही 1,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं चुकाने की स्थिति में छह महीने की अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भी निर्धारित की गई है।

यह फैसला 31 मई 2007 को आए ट्रायल कोर्ट के निर्णय को पूरी तरह उलट देता है। उस समय रायपुर की विशेष अदालत (एट्रोसिटी) ने सबूतों के अभाव में

अमित जोगी को बरी कर दिया था, जबकि अन्य 28 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए CBI ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

अपने फैसले में हाईकोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी की कि एक ही गवाह और साक्ष्य के आधार पर कुछ आरोपियों को दोषी ठहराना और कथित मुख्य साजिशकर्ता को बरी कर देना न्यायिक दृष्टि से असंगत और त्रुटिपूर्ण है। अदालत ने इसे गंभीर कानूनी चूक मानते हुए निचली अदालत के निर्णय को निरस्त कर दिया। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दोबारा शुरू हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने केस को पुनः विचार के लिए हाईकोर्ट को भेजा था, जिसके बाद विस्तृत सुनवाई के उपरांत यह फैसला आया।

ट्रक से भिड़ी बारातियों की कार, चार लोगों की मौके पर मौत, 11 घायल

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में नेमावर रोड पर देर रात बारातियों की एक कार भूसे से भरे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों मौत हो गई और 11 लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना की सूचना के बाद खुड़ैल पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत घायलों को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसा देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास उस वक्त हुआ जब दुल्हन को लेकर लौट रही बारात की गाड़ी आयशर वाहन से जा टकराई। इसमें गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और अंदर मौजूद तीन लोगों की मौत हो गई। एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना बाद मौके पर चीख-

पुकार मच गई। आसपास के लोग और रास्ते से गुजर रहे लोगों ने वाहन में से घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। कार के आगे एक भूसे भरा एक वाहन चल रहा था। इसी दौरान ओवरटेक करने के चक्कर में उसने अचानक ब्रेक लगा दी। इस दौरान कार का ड्राइवर ब्रेक नहीं लगा पाया और वह सीधे आयशर वाहन से टकरा गई।

सिक्किम में बर्फबारी और भूस्खलन, कई टूरिस्ट फंसे

शिमला/देहरादून, एजेंसी

सिक्किम के मंगन जिले में लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है। इधर, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुनोत्री धाम समेत 3 जिलों में रविवार को बर्फबारी हुई। वहीं 6 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी हुई। गोंदला में 28.5 सेंटीमीटर, केलांग में 20.0 सेमी, हंसा में 5 सेमी बर्फ गिरी। जबकि शिमला, कुल्लू और मंडी में ओले गिरने से सेब की फसल को नुकसान हुआ।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

सामाजिक सरोकारों के तहत दस गांवों में पानी-बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं

विकास की नई इबारत लिखता एनएमडीसी का नगरनार स्टील प्लांट

नगरनार जगदलपुर से लौटकर राजेश सिरोठिया

भारत सरकार के उपक्रम नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएमडीसी) ने अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट से बीते आठ सालों में जगदलपुर के पास हर साल तीस लाख टन (3 एमपीटी) स्टील उत्पादन कर विकास की नई इबारत लिख दी है। इसी वजह से यहां एक छोटे से कस्बे नगरनार को देश में अलग पहचान मिल रही है।

नई ऊंचाई छूता धान का कटोरा पार्ट - 2

जगदलपुर से मात्र सोलह किलोमीटर दूर नक्सल प्रभावित इलाके में स्थापित किया गया यह संयंत्र 1840 एकड़ जमीन पर फैला है। 25 हजार करोड़ की लागत से बने संयंत्र के कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख रफीक अहमद जनावदे बताते हैं कि इस संयंत्र के लिए पांच गांवों की जमीन अधिग्रहित की गई थी। इन गावों के हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य को संयंत्र में नौकरी दी गई है। विशाल भूभाग में फैले इस संयंत्र के लगभग एक तिहाई इलाके में वृक्षारोपण भी किया गया है जहां अब तक तीन लाख से ज्यादा पेड़ पनप चुके हैं। रफीक

अहमद बताते हैं कि एनडीएमसी ने अपने सामाजिक सरोकारों के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलटी के तहत इसके आसपास स्थित तकरीबन दस गांवों में पानी बिजली, सडक् जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराई हैं। वृक्षारोपण के साथ ही 30 किमी दूर तिरिया नदी से पानी की सप्लाई की जाती है। जगदलपुर से नगरनार का पक्का रास्ता भी एनएसएल ने ही बनाया है। नगरनार स्टील प्लांट, जिसे आधिकारिक रूप से नेशनल स्टील लिमिटेड संचालित करता है। यूं तो निजी क्षेत्र में भारत में जेएसडब्लू टाटा और भारत सरकार के स्टील अथारिटी आफ इंडिया के संयंत्रों की स्टील उत्पादन क्षमता अधिक है। लेकिन नगरनार के संयंत्र में तकनीकी सुविधाएँ मौजूद हैं। विशाल ब्लास्ट फर्नेस, कोक ओवन, सिंटर प्लांट, स्टील मेल्टिंग शॉप, हॉट स्ट्रिप मिल के साथ ही गैस आधारित 80 मेगावाट क्षमता की दो बिजली यूनिट भी हैं। यह प्लांट कई प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पाद बनाता है। इनमें हॉट रोल्ड कॉइल, स्टील प्लेट्स और पाइपलाइन जो ब्रिज, शिप के जरूरी हैं। इसके साथ ही घरेलू, कमर्शियल और औद्योगिक उपयोग में आने वाले एलपीजी सिलेंडर में प्रयुक्त ग्रेट स्टील, ऑटोमोबाइल और मशीनरी स्टील जैसे उत्पाद भी बनते हैं। इसके अलावा अन्य उद्योगों के लिए जरूरी उपकरण बनाने की क्षमता भी इस संयंत्र में हैं। रफीक अहमद बताते हैं कि 2019 में इस पर काम शुरू हुआ। 2023 में इसका ट्रायल और कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हुआ। बीते साल इस प्लांट ने अपनी पूर्ण क्षमता के साथ उत्पादन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। आत्मनिर्भर भारत की दिशा मे यह एक अहम पड़ाव साबित हुआ है। देश से लेकर बस्तर तक के स्थानीय लोगों को रोजगार के हजारों अवसर मिले हैं। इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में इसने बड़ा योगदान दिया है।

- जारी

वैल्यू एडेड स्टील उत्पादन

रफीक ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य केवल खनन ही नहीं रहा बल्कि वैल्यू एडेड स्टील उत्पादन में हम प्रवेश कर चुके हैं। सौ किमी की दूरी पर बैलाडीला की खदानों से लौह अयस्क मिलने से हमारे उत्पादों की कम लागत, हमें बाजार के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में बनाए रखती है। माल की आवाजाही के लिहाज से यह नेशनल हाईवे -30 के पास बना है। नजदीकी रेलवे स्टेशन अमागुड़ा 92 किमी की दूरी पर है तो एयरपोर्ट जगदलपुर है। 325 किमी दूरी पर विशाखापट्नम का बंदरगाह है। रफीक ने इस संयंत्र को निजी हाथों में सौंपे जाने के आरोपों और अफवाहों को सिरे से नकारते हुए कहा कि इन दावों में कोई दम नहीं। जहाँ तक आसपास के लोगों का सवाल है, उन्हें हाट बाजार भी बनाकर दिया गया है। इस संयंत्र से इलाके के सांस्कृतिक स्वरूप पर भी कोई खतरा नहीं हैं। ऐसे तमाम आरोप बेबुनियाद ही कहे जा सकते हैं।

वीआईपी रोड और केबल स्टे ब्रिज पर बढ़ा लोड

ट्रैफिक सिस्टम चरमराया: बायपास बंद, शहर में आए सैकड़ों ट्रक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था इन दिनों अचानक बढ़े दबाव से जूझ रही है। सूखी सेवनिया रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) पर मेंटेनेंस कार्य के चलते बायपास बंद होने के बाद भारी वाहनों का रुख शहर के भीतर की ओर हो गया है। इसका सीधा असर वीआईपी रोड और केबल स्टे ब्रिज पर दिख रहा है, जहां लगातार दबाव से संरचनात्मक जोखिम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

रात 11 से सुबह 4 बजे तक जाम का पहरा

पिछले एक हफ्ते से शहर में रात होते ही ट्रैफिक बेकाबू हो रहा है। रात 11 बजे के बाद भारी वाहनों की एंट्री बढ़ते ही पॉलिटेक्निक चौराहा से वीआईपी रोड की ओर जाने वाली सड़क जाम हो जाती है। यह जाम केबल स्टे ब्रिज पार करते हुए बिहार सभा तक पहुंच जाता है और हालात तड़के 4 बजे तक जस के तस बने रहते हैं।

केबल स्टे ब्रिज पर 'रेड अलर्ट'

विशेषज्ञों का कहना है कि केबल स्टे ब्रिज को इस तरह के लगातार भारी लोड के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। स्ट्रक्चर इंजीनियरों के मुताबिक, लगातार दबाव से ब्रिज के केबल और डेक पर असर पड़ सकता है। यदि समय रहते ट्रैफिक को डायवर्ट या नियंत्रित नहीं किया गया, तो लंबे समय में बड़े नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

दिन में भी असर- सड़कें टूटने लगीं, रफ्तार थमी

हालांकि भारी वाहनों की आवाजाही रात में ज्यादा है, लेकिन उसका असर पूरे दिन दिख रहा है। शहर की मुख्य सड़कों पर ट्रक-ट्रेलरों की लंबी कतारें नजर आ रही हैं। इससे ट्रैफिक की रफ्तार थम गई है और सड़कों की हालत भी तेजी से बिगड़ने लगी है।

लालघाटी से कमला पार्क तक रेंगता ट्रैफिक

बताया जाता है कि लालघाटी से आने वाले भारी वाहनों ने शहरवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। खानू गांव से लेकर कमला पार्क तक लंबा जाम लग रहा है। प्रमुख सिग्नलों पर लोगों को कई-कई मिनट तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा और नामांकन सहित अन्य शुल्कों में की वृद्धि

एमपी बोर्ड परीक्षा अब और महंगी, 10वीं-12वीं की परीक्षा फीस में 300 की बढ़ोतरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए परीक्षा और नामांकन सहित अन्य शुल्कों में वृद्धि कर दी है। इस निर्णय के तहत 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए 300 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा। पहले यह शुल्क 1200 रुपये था, जिसे बढ़ाकर 1500 रुपये किया गया है।

नामांकन शुल्क में 150 रुपये की वृद्धि की गई है। डुप्लीकेट अंकसूची सहित अन्य शुल्क भी बढ़ाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष प्रदेश में लगभग 16 लाख विद्यार्थी 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होते हैं। शुल्क वृद्धि से मंडल को करीब 54 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है।

बजट का अभाव मंडल की विवशता: मंडल के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें शासन से किसी प्रकार का बजट नहीं मिलता है। बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में प्रत्येक वर्ष लगभग 60 से 70

करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब परीक्षाएं तकनीक आधारित हैं। इसके साथ ही इस वर्ष मूल्यांकन कर्ताओं और पर्यवेक्षकों के मानदेय में 35 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। कर्मचारियों के वेतन में महंगाई भत्ता और सातवें वेतनमान में वृद्धि भी व्यय बढ़ने का प्रमुख कारण है।

संबल योजना पर 48 करोड़ का व्यय: मंडल के अधिकारियों के अनुसार, संबल योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष लगभग चार लाख विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। इन पर प्रति विद्यार्थी 1200 रुपये खर्च होता है, जिससे कुल 48 करोड़ रुपये का व्यय होता है। यह राशि शासन द्वारा मंडल को नहीं दी जाती, जिससे वित्तीय दबाव और बढ़ जाता है।

पहले भी हो चुकी है वृद्धि: मंडल ने इससे पहले 2018 और 2023 में भी शुल्क बढ़ाया था। वर्ष 2023 में परीक्षा शुल्क 900 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपये किया गया था। अब फिर से 1500 रुपये किए जाने से विद्यार्थियों पर आर्थिक दबाव और बढ़ गया है।

5वीं-8वीं कक्षा में 1.29 लाख विद्यार्थी फेल, मई में होगी परीक्षा

प्रदेश में पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में इस बार बड़ी संख्या में विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं। दोनों कक्षाओं के करीब 1.29 लाख विद्यार्थी 33 प्रतिशत अंक भी हासिल नहीं कर सके। अब इन विद्यार्थियों को एक और मौका देते हुए मई के दूसरे सप्ताह में पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें पहली परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी भी शामिल हो सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों और स्कूलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जहाँ पांचवीं में करीब 62 हजार और आठवीं में करीब 67 हजार विद्यार्थी फेल हुए हैं, ऐसे विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से पुनः परीक्षा में शामिल होना होगा। विभाग का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को एक और अवसर देकर उन्हें अगली कक्षा में आगे बढ़ने का मौका दिया जा सके। राज्य शिक्षा केंद्र ने स्कूलों और शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे फेल हुए विद्यार्थियों के लिए विशेष तैयारी कराएं। इसके तहत अतिरिक्त कक्षाएं, अभ्यास सत्र और कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि विद्यार्थी पुनः परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। स्कूलों को यह भी कहा गया है कि कमजोर छात्रों की पहचान समय रहते की जाए और उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सहयोग दिया जाए। दिशा-निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई विद्यार्थी पुनः परीक्षा में भी न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, तो उसे उसी कक्षा में दोबारा अध्ययन करना होगा। यानी ऐसे छात्रों को अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा।

सप्लाई घटने पर दाम बढ़ने की आशंका...

आम की फसल पर मौसम की मार, घट सकती है पैदावार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मार्च-अप्रैल की बेमौसम बारिश और ओलों ने आम के बगीचों को नुकसान पहुंचाया है। ऑन ईयर होने के बावजूद इस बार आम की पैदावार 30 फीसदी तक घट सकती है। आम पर शोध करने वाले वैज्ञानिक डॉ. आरके जायसवाल के मुताबिक मौसम ने फलों के 'क्रिटिकल फ्लावरिंग पीरियड' को बिगाड़ दिया है। जायसवाल बताते हैं कि इस समय पेड़ों पर मंजरी (फूल) और शुरुआती फल बनने की प्रक्रिया चलती है, लेकिन नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव से फूल झड़ रहे हैं। फंगल संक्रमण और परागण में कमी की समस्या भी बढ़ी है। देशभर में मौसम सामान्य नहीं रहने से दक्षिण भारत से आने वाली अर्ली वैरायटी की आवक सबसे ज्यादा प्रभावित होगी। सप्लाई घटने से आम के दाम 10 से 25त्न तक बढ़ने की आशंका है।

डॉ. जायसवाल के अनुसार बारिश और नमी से एन्थ्रेक्नोज और पाउडरी मिल्ड्यू जैसे रोग बढ़ते हैं। तेज हवा से कच्चे फल गिर जाते हैं, जबकि कम धूप से शुगर फॉर्मेशन घटने से स्वाद प्रभावित होता है। परागण कम होने से फल बनने की दर भी घटती है। उन्होंने बताया कि नर्मदा वैली में हुए रिसर्च में पाया गया कि फ्लावरिंग के दौरान 2-3 बार अनियमित बारिश भी उत्पादन पर सीधा असर डालती है। इस बार बेमौसम बारिश और ओलों से कई इलाकों में फूल और कच्चे फल गिर चुके हैं।

जुलाई तक सीजन, हर महीने बदलती किस्में

शहर में आम का सीजन अप्रैल के आखिर से जुलाई तक रहता है। शुरुआत में तोतापरी, दशहरी और राजापुरी बाजार में आते हैं। मई-जून में लंगड़ा, चौसा और केसर की आवक रहती है, जबकि जून-जुलाई में आम्रपाली, मलिका और बंगनपल्ली मिलते हैं। ईटखेड़ी फल अनुसंधान केंद्र में 20-25 वैरायटी के करीब 250-300 पेड़ों पर रिसर्च हो रही है। यहां दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली और मलिका जैसी किस्मों पर उत्पादन और रोग-प्रतिरोधक क्षमता का अध्ययन किया जाता है।

10 अप्रैल को संत नगर में 'हरे माधव सत्संग' का आयोजन

तैयारियों को लेकर पूज्य सिंधी पंचायत की बैठक

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के सानिध्य में आगामी 10 अप्रैल को शहीद हेमू कालाणी स्टेडियम (दशहरा मैदान) में आयोजित होने वाले 'हरे माधव सत्संग' की तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस संबंध में पूज्य सिंधी पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष माधू चांदवानी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि बाबा ईश्वरशाह साहिब जी 9 अप्रैल को भोपाल पधारेंगे, जहां शाम को पंचवटी में उनके सानिध्य में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात 10 अप्रैल को शाम 6 बजे से मुख्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित होगा। बैठक के दौरान सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी ने युवाओं से सत्संग में जुड़ने की अपील की, वहीं अन्य वक्ताओं ने सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण में संतों के योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान मनीष दरयानी, चन्द्रप्रकाश इसरानी, वासदेव वाधवानी और कन्हैया इसरानी सहित विभिन्न सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। बैठक का संचालन राकेश शेवानी और आभार प्रदर्शन नंद कुमार दादलानी ने किया।

माता मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से अष्ट सिद्धि और नवनिधि की प्राप्ति होती है, इसी भाव के साथ संत नगर स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोपाल के ज्योतिष आचार्य और बटुक भैरवनाथ के उपासक आचार्य राजीव लोचन को मंदिर समिति द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में 51,000 हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प लेकर सकल हिंदू समाज ने एक स्वर में पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य यजमान व पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा ने विद्वान आचार्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और तिलक लगाकर किया। संगीतमय पाठ का संचालन आचार्य पंडित रवि पटेरिया, जीवन प्रसाद शास्त्री, आचार्य अखिलेश जी महाराज और पंडित मुदित शर्मा ने किया। राम प्रवेश दास महाराज (गुफा मंदिर) के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर के सेवादारों का विशेष सहयोग रहा। इस धार्मिक अनुष्ठान में पीसी जैन, जीतू कटारिया, नारायण शर्मा, भूपेंद्र सिंह गुर्जर सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति ने बताया कि मंदिर में प्रति शनिवार और मंगलवार को निरंतर हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया जाता है, जिससे भक्तों के कष्टों का निवारण होता है।

संदीप नेमा 'दीप' के कविता संग्रह 'मनसुख' का लोकार्पण

कविता के केंद्र में लोक कल्याण का होना आवश्यक - कुमार सुरेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कविता स्वांत सुखाय भले लिखी जाये परन्तु जब उसे लोक को अर्पित कर दिया तो फिर वह कवि की नहीं लोक की हो जाती है। अतः कविता के केंद्र में लोक कल्याण का भाव होना आवश्यक है। यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार कुमार सुरेश के जो सुपरिचित साहित्यकार संदीप नेमा 'दीप' के कविता संग्रह 'मनसुख' के लोकार्पण कार्यकम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए शाहिदा परवीन शिक्षाविद एवं उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल ने कहा कि कविता केवल शब्दों का संयोजन नहीं बल्कि भावों की अभिव्यक्ति है। प्रस्तुत संग्रह में जीवन के विविध अनुभवों की झलक कविता के रूप में दिखाई देती है। इस आयोजन में रचनाकार संदीप नेमा ने अपनी सृजन यात्रा के अनुभव साझा करते हुए संग्रह से कुछ चुनिंदा कविताओं का वाचन किया, जिन्हें उपस्थित श्रोताओं द्वारा खूब सराहा गया। इस पुस्तक पर केंद्रित विमर्श में भाग लेते हुए वरिष्ठ साहित्यकार दीपक पगारे ने कहा कि इन कविताओं में आशावाद है और सहज सरल शिल्प में बुनी गई भाव प्रधान कविताएं हैं। नवगीतकार मनोज जैन मधुर ने कहा कि यह कवि के अनुभव से पगी अंतर्मन से उपजी कविताओं का संग्रह है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने किया और आयोजन के अंत में आभार शिवांश नेमा ने प्रकट किया।

कोरल वुड्स सोसाइटी में भीषण आग से उजागर हुईं लापरवाही की परतें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होशंगाबाद रोड स्थित कोरल वुड्स सोसाइटी में रविवार रात लगभग 7.30 बजे ए 5 ब्लॉक की पार्किंग एरिया की डक्ट में अचानक आग लग गई। आग की तेज़ लपटों और घने धुएं के कारण फ्लैटों में रहना मुश्किल हो गया। लिफ्ट बंद होने से रहवासियों को सीढ़ियों के माध्यम से बाहर निकलना पड़ा। आग की जानकारी सबसे पहले रहवासी श्री डेका को मिली, जिन्होंने इसे तुरंत संबंधित अधिकारियों और सोसाइटी के अन्य सदस्यों के साथ साझा किया। रहवासी हरिओम गुप्ता ने बताया कि उन्होंने रात 7.31 से 7.34 के बीच 101 (फायर ब्रिगेड) पर चार बार कॉल किया, लेकिन कोई संपर्क नहीं हो सका। अंततः 112 पर सूचना दर्ज कराई गई, जिसके बाद फायर स्टेशन और मिसरोद थाना से सहायता हेतु फोन आने शुरू हुए। बिल्डिंग के फायर वाटर टैंक में पानी न होने के कारण, रहवासी राजेंद्र मालवीय और अन्य ने बाल्टियों से आग बुझाने का प्रयास किया। इसके अतिरिक्त, रहवासी मनोज चौधरी और गार्ड सिपाही लाल पास के ब्लॉक से पाइप द्वारा पानी लेकर आग पर नियंत्रण करने में सफल रहे।

गंभीर बात यह है कि फायर फाइटिंग सिस्टम की कमी और पर्याप्त अग्निशमन साधन न होने के कारण आग तेजी से फैली। पार्किंग/डक्ट में जमा कचरा (प्लास्टिक, पन्नी, कार्डबोर्ड) आग के फैलने का मुख्य कारण बना। पहले भी ए-2 ब्लॉक में इसी तरह की घटना हुई थी, लेकिन सुरक्षा उपायों में कोई सुधार नहीं किया गया।

बिल्डर व प्रशासन पर सवाल- बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के नगर निगम द्वारा कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी किया गया। हाउसकीपिंग एजेंसी की बार-बार लापरवाही के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। निर्माण कार्य जारी रहते हुए सुरक्षा मानकों की अनदेखी।

नई संभावित मुसीबत- बिल्डर ने वाटर हार्वेस्टिंग और पानी की पूर्ति की उचित व्यवस्था नहीं की है। एसटीपी का 50 फीसदी पानी दैनिक आवश्यकता के लिए इस्तेमाल हो सकता था, लेकिन इसे बंद करने और उस स्थान पर मल्टी-स्टोरी निर्माण की योजना बनाई जा रही है।

रहवासियों की मांगें

- तत्काल आधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम की स्थापना।
- प्रशासक, एजेंसी और संबंधित की जिम्मेदारी तय हो।
- बिल्डर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई।
- पूरे परिसर का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट।
- कचरा प्रबंधन की वैज्ञानिक एवं सुरक्षित व्यवस्था लागू की जाए।
- पानी की आपूर्ति और STP संचालन सुनिश्चित किया जाए।

मेट्रो एंकर

एम्स भोपाल के नए शोध को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहा गया

धूम्रपान से होती हैं पुरुषों में कई तरह की समस्याएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने चिकित्सा शोध के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पुरुष बांझपन की सटीक जांच को लेकर संस्थान का शोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। यह शोध अमेरिका के सैन एंटोनियो में आयोजित यूएसकैप वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया।

एम्स भोपाल के पैथोलॉजी एवं प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. हेमलता पंवार ने 'डीएनए फ्रैगमेंटेशन इंडेक्स: पुरुष कारक बांझपन के लिए एक उभरता हुआ नैदानिक उपकरण' विषय पर अपना अध्ययन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि धूम्रपान से पुरुषों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह शोध संस्थान की आंतरिक वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत किया है।

अध्ययन में सामने आया कि डीएनए फ्रैगमेंटेशन इंडेक्स एक महत्वपूर्ण जांच है, जो सामान्य परीक्षण में नजर नहीं आता है। शोध के अनुसार, जिन व्यक्तियों में डीएनए फ्रैगमेंटेशन स्तर 30 प्रतिशत से अधिक होता है, उनमें शुक्राणु की गुणवत्ता प्रभावित पाई गई। यह समस्या विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों में अधिक देखी गई, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से होने वाली क्षति को दर्शाती है।

इस शोध में एम्स भोपाल की बहु-विषयक टीम ने योगदान दिया, जिसमें डॉ. अश्वनी टंडन, डॉ. वैशाली वाल्के, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. के. पुष्पलता, डॉ. के. माधवन, डॉ. अश्विन कोटनिस, डॉ. अंकुर जोशी और डॉ. नीलकमल कपूर शामिल रहे। साथ ही स्नातकोत्तर शोध छात्रा डॉ. सुरम्या जैन भी सह-लेखक के रूप में शामिल रहीं। यह शोध पुरुष बांझपन की जांच को सटीक बनाने में बेहतर होगा।

चंबल के कछुए बने नमामि गंगे मिशन में मां गंगा के 'प्राकृतिक सफाई-योद्धा', सीएम बोले

कछुओं के संरक्षण-संवर्धन से जलीय पारिस्थितिकी होगी सशक्त और संतुलित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार जंगलों और जल स्त्रोतों को समृद्ध बनाकर वन्य और जलीय जीवों के संरक्षण के लिये सतत प्रयास कर रही है। विशेष रूप से साफ पानी वाली नदियों में कछुओं की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण-संवर्धन से हमारा जलीय पारिस्थिकी तंत्र सशक्त और संतुलित बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति और वन्यजीवों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। कछुओं का विमुक्तिकरण और चीता पुनर्वास की दिशा में बढ़ते कदम मध्यप्रदेश को वन्य-जीव पर्यटन और संरक्षण के वैश्विक मानचित्र पर और अधिक प्रभावी रूप से स्थापित करेंगे। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में कछुओं की महत्ता पर जोर देते हुए जल संरचनाओं के संरक्षण का आहवान किया।

नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत चंबल नदी में संरक्षित दुर्लभ प्रजातियों के कछुए अब गंगा नदी की स्वच्छता और पारिस्थितिकी पुनर्जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्राकृतिक रूप से जैविक कचरे और सड़े-गले अवशेषों को खाने की क्षमता के कारण इन्हें नदी के 'प्राकृतिक सफाई-योद्धा' के रूप में उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश में नमामि गंगे परियोजना के शुभारंभ के बाद से ही चंबल में संरक्षित कछुओं को गंगा में छोड़ने का प्रयोग शुरू किया गया था। इसी क्रम में 26 अप्रैल 2025 को चंबल के संरक्षण केंद्रों से 20 दुर्लभ 'रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल' (बटागुर कछुये) उत्तर प्रदेश के हैदरपुर वेटलैंड और गंगा की मुख्य धारा में छोड़े गये।

गंगा पुनर्जीवन के 'जलीय योद्धा'

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में पाए जाने वाले बटागुर और बटागुर डोंगोका जैसे दुर्लभ कछुए गंगा की सफाई और जैव विविधता को पुनर्जीवित करने में सहायक माने जा रहे हैं। इन कछुओं को गंगा नदी के विभिन्न हिस्सों में छोड़ा जा रहा है। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत चंबल के ये दुर्लभ कछुए अब गंगा के पुनर्जीवन अभियान के 'जलीय योद्धा' बनकर उभरे हैं। अपनी प्राकृतिक सफाई क्षमता के माध्यम से ये न केवल नदी की स्वच्छता में योगदान दे रहे हैं, बल्कि जलीय जैव विविधता को पुनर्जीवित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चंबल में पाई जाती हैं कछुओं की नौ दुर्लभ प्रजातियां| चंबल नदी में कुल नौ दुर्लभ प्रजातियों के कछुए पाए जाते हैं। इनमें बटागुर कछुआ प्रमुख है, जो मीठे पानी में रहने वाला सर्वहारी जीव है। यह नदी में बहते वनस्पति और मृत जीवों को खाकर जल को स्वच्छ बनाए रखने में मदद करता है। इसी प्रजाति का बटागुर डोंगोका 'नदी का स्वीपर' कहलाता है। इसके अलावा साल कछुआ, धमोक, चौड़, मोरपंखी, कटहेवा, पचेड़ा और इंडियन स्टार कछुआ जैसी दुर्लभ प्रजातियां भी चंबल में हैं।

भाजपा प्रदेश टीम में जबलपुर क्षेत्र को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं

महाकौशल की उपेक्षा और मालवा-चंबल का दबदबा, पैराशूट एंट्री से कार्यकर्ताओं में उबाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा के प्रदेश संगठन में इन दिनों लगातार फेरबदल हो रहे हैं। नए नेतृत्व के साथ नई टीम के गठन का सिलसिला जारी है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में महाकोशल अंचल के प्रमुख केंद्र जबलपुर को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठों तक नजर डालें तो जबलपुर के हिस्से में सीमित पद ही आए हैं, जिससे स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी और हताशा का माहौल बन रहा है। प्रदेश कार्यकारिणी में जहां मालवा, चंबल और मध्य क्षेत्र के नेताओं को प्रमुख पदों पर स्थान मिला है, वहीं जबलपुर को केवल कोषाध्यक्ष पद तक सीमित रखा गया है, जिस पर अखिलेश जैन को यथावत रखा गया है। प्रदेश महामंत्री और मंत्री जैसे अहम पदों पर भी शहर को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका।

मप्र भाजपा की कार्यकारिणी में जहां प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर चंबल, मालवा से लेकर मध्य क्षेत्र से कार्यकर्ता शामिल हैं, लेकिन जबलपुर से एक भी चेहरा नहीं है। सिर्फ संगठन ने कोषाध्यक्ष के पद पर अखिलेश जैन, जो पूर्व में भी इस पद पर थे, उन्हें यथावत शामिल किया। प्रदेश महामंत्री और प्रदेश मंत्री के पद में भी जबलपुर को तवज्जो नहीं मिली थी। इसके बाद अनुसूचित जाति मोर्चा में प्रदेश महामंत्री और प्रदेश आईटी सह प्रभारी अनुसूचित जाति मोर्चा का पद मिला। पिछड़ा वर्ग मोर्चा में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर संजय यादव की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा मीडिया विभाग में जहां पार्टी ने तीन प्रवक्ता, विधायक नीरज सिंह, विधायक संतोष बरकड़े और डा. वाणी अहलूवालिया को प्रदेश प्रवक्ता बनाया है, वहीं लंबे समय से मीडिया कार्य में भूमिका में रहे श्रीकांत साहू को संगठन ने प्रदेश सह मीडिया का प्रभार दिया है। महिला मोर्चा में अश्वनी परांजपे को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर जबलपुर को एक प्रमुख पद जरूर मिला, लेकिन कार्यकारिणी में अपेक्षित विस्तार नहीं हुआ।

युवा मोर्चा में पैराशूट नियुक्तियों पर सवाल

युवा मोर्चा की नियुक्तियों को लेकर भी संगठन के भीतर असंतोष देखा जा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर योगेंद्र सिंह ठाकुर और शोध एवं नीति प्रभारी के रूप में जय रोहाणी को शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इन नियुक्तियों में स्थानीय स्तर पर व्यापक चर्चा नहीं हुई, जिससे पैराशूट एंट्री की चर्चा जोर पकड़ रही है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि लंबे समय से संगठन में सक्रिय लोगों की तुलना में सिफारिश के आधार पर पद दिए जा रहे हैं। पूर्व के कार्यकाल को लेकर भी कई मोर्चा के पूर्व पदाधिकारी सवाल उठा रहे हैं।

महाकौशल बनाम मालवा का संतुलन

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रदेश संगठन में मालवा, चंबल और मध्य क्षेत्र के नेताओं का प्रभाव लगातार बढ़ा है, जबकि महाकोशल, विशेषकर जबलपुर, अपेक्षाकृत कमजोर हुआ है। दरअसल, कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की परंपरा में जबलपुर लंबे समय से ही कमजोर साबित हुआ है। बमुश्किल पार्टी में प्रदेश संगठन की कमान साल 2018 में जबलपुर के नेतृत्व को मिली थी। यह वह दौर था जब कांग्रेस की कमान कमलनाथ के हाथ में थी और कांग्रेस महाकोशल अंचल के प्रभाव में आकर सत्ता में आई थी। उसके बाद भाजपा ने भी महाकोशल के वजन को भांपा और यहां के नेतृत्व पर भरोसा जताया था। बाद में सत्ता परिवर्तन के साथ ही संगठनात्मक संतुलन फिर अन्य क्षेत्रों की ओर झुकता नजर आ रहा है।

सवालों में बड़े नेताओं की मंशा

स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन में वर्षों से काम कर रहे समर्पित लोगों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में संगठन के भीतर निष्ठा और समर्पण की बजाय सिफारिश आधारित राजनीति को बढ़ावा मिलने की आशंका जताई जा रही है। इधर शहर के बड़े नेताओं की प्रदेश में नहीं चल रही या कहें कि वे चलाना नहीं चाहते हैं। नेता नहीं चाह रहे कि संगठन में किसी स्थानीय नेता का कद बड़ा हो, इस वजह से वे खुद ही यहां के नेताओं के नाम पर पहले ही अड़ंगा लगा देते हैं।

कांग्रेस में भी यही हाल

भाजपा की तरह ही कांग्रेस संगठन में भी प्रदेश की राजनीति में जबलपुर के कार्यकर्ताओं की उपेक्षा नजर आ रही है। यहां भी इंदौर-भोपाल संभागों का दबदबा बना हुआ है। शनिवार को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की सूची जारी हुई है। 66 सदस्यों वाली इस सूची में जबलपुर से 57वें नंबर पर प्रियंका सोनी को संयुक्त सचिव के पद पर रखा गया है। यानी सिर्फ एक महिला कार्यकर्ता को संगठन में जगह मिली है। इसके उलट इंदौर जिले से नौ कार्यकर्ता सूची में शामिल हैं।

भारतीय चिकित्सा विज्ञान के लिए उपलब्धि

'डायबिटिक लिम्ब साल्वेज' पर वाशिंगटन में शोधपत्र पेश करेंगे भोपाल के डॉ. गर्ग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मंगलम हेल्थ फाउंडेशन के डॉ. भुवनेश्वर गर्ग को मेडस्टार हेल्थ, वाशिंगटन डीसी में 8 से 11 अप्रैल तक आयोजित होने वाले वैश्विक सम्मेलन 'डायबिटिक लिम्ब साल्वेज' में अपना शोध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। 2,500 से अधिक सफल मामलों के अनुभव के साथ, डॉ. गर्ग ने 450 से अधिक 'एंड-स्टेज डायबिटिक गैंग्रीन' के मरीजों के अंगों को कटने से बचाया है। उनका शोध पारंपरिक उपचारों से पैदा होने वाले 'टॉक्सिक वुंड एनवायरनमेंट' और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस की चुनौती का प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

इस नवाचार की महत्ता डब्ल्यूएचओ और लैंसेट के उन डरावने आंकड़ों से समझी जा सकती है, जिनमें एंटीबायोटिक्स के दुष्प्रभावों से हर साल एक करोड़ दस लाख मौतों की चेतावनी दी गई है। दुनिया में हर 20 सेकंड पर एक पैर काटा जा रहा है और हर साल ढाई लाख बच्चियां जलने के कारण चेहरे की विकृति का दंश झेल रही हैं। डॉ. गर्ग की यह खोज इन शक्तियों और इलाज के भारी खर्च को बेहद कम करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

नवाचार की विशेषताएं

इसका हीलिंग पदानुक्रम यह सिद्ध करता है कि गहरे ऊतक (हड्डी/मांसपेशी) पहले विकसित होते हैं और 14 दिनों में त्वचा की गहरी परत का पुनर्निर्माण होता है। एक अनूठा व्हाट्सएप टेली-सुपरविजन मॉडल, मरीजों को अस्पताल के भारी खर्च के बिना घर पर ही विशेषज्ञ देखरेख में ठीक होने की सुविधा देता है। डॉ. गर्ग ने प्रदेश और केंद्र सरकार से इसे राष्ट्रीय मिशन बनाने का आग्रह किया है। यह मॉडल न केवल स्वास्थ्य खर्च बचाएगा, बल्कि पैरामेडिक्स के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करेगा और भारत को मेडिकल टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनाएगा। डॉ. गर्ग कहते हैं हम केवल घाव नहीं भर रहे, हम अंगों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। सरकारी सहयोग से यह मेड इन भारत मॉडल देश को एम्प्यूटेशन-मुक्त बना सकता है।

मप्र हेल्थ विभाग में बड़ी भर्ती...

484 पैरामेडिकल स्टाफ को जिला आवंटन, 15 अप्रैल तक ज्वाइनिंग अनिवार्य

» नए लैब टेक्नीशियन व रेडियोग्राफर की नियुक्ति से जांच सेवाओं में आएगी तेजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती देने के लिए अब 484 नए पैरामेडिकल और नर्सिंग कर्मचारी जल्द ही मैदान में नजर आएंगे। कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित समूह-पांच भर्ती परीक्षा के अंतर्गत रिक्त रह गए पदों के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग और जिला आवंटन की सूची जारी कर दी गई है। इस कदम से जिला अस्पतालों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक जांच और उपचार की सेवाएं और बेहतर हो सकेंगी।

ज्वाइनिंग के लिए 15 अप्रैल की समयसीमा – लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों को इस द्वितीय काउंसलिंग के माध्यम से जिले आवंटित किए गए हैं, उन्हें अपनी ज्वाइनिंग प्रक्रिया जल्द पूरी करनी होगी। सभी चयनित उम्मीदवारों को 15 अप्रैल 2026 तक संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी या सिविल सर्जन कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य है। निर्धारित समय के बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद्द मानी जा सकती है।

लैब टेक्नीशियन से लेकर नर्सेस तक की नियुक्ति

इस सूची के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों को नए लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, फार्मासिस्ट, ड्रेसर और नर्सेस मिल रहे हैं। लंबे समय से इन तकनीकी पदों के खाली होने के कारण कई अस्पतालों में एक्स-रे, पैथोलॉजी जांच और दवा वितरण का काम प्रभावित हो रहा था। अब इन 484 पदों के भरने से न केवल काम का बोझ कम होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी समय पर इलाज मिल सकेगा।

जांच और वार्डों में निगरानी होगी बेहतर

अस्पतालों में पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ने से मरीजों को लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। लैब टेक्नीशियन और रेडियोग्राफर के आने से खून की जांच और एक्स-रे जैसी सुविधाएं समय पर उपलब्ध होंगी। वहीं, नर्सिंग स्टाफ बढ़ने से वार्डों में भर्ती मरीजों की देखभाल और चौबीसों घंटे निगरानी बेहतर तरीके से हो पाएगी। इससे सरकारी अस्पतालों की कार्यक्षमता में सुधार होगा और सामान्य जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त होगी।

प्रदेश में बीयर को लेकर गहराया संकट, आबकारी विभाग ने निर्यात पर लगाई रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीयर का संकट बढ़ता जा रहा है। बीयर का सीमित स्टॉक होने की वजह से आबकारी विभाग ने अन्य राज्यों में बीयर के निर्यात पर रोक लगा दी है। शराब के प्रीमियम ब्रांड का स्टॉक भी सीमित है। इसके साथ ही प्रदेश में नई शराब दुकानों के संचालन के शुरुआती दिनों में ही सप्लाई और बिलिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ठेकेदारों का कहना है कि प्रीमियम ब्रांड्स के बिना दुकान चलाना लगभग असंभव है, लेकिन इन कंपनियों के लोकप्रिय ब्रांड्स की बिलिंग ही शुरू नहीं हो पाई है। ठेकेदारों का आरोप है कि आबकारी विभाग समय पर माल उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, जिसके कारण कई दुकानों में शुरुआती दिनों से ही बेचने के लिए पर्याप्त स्टॉक मौजूद नहीं है। ऐसे में ठेकेदारों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब दुकान में माल ही नहीं होगा, तो वे करोड़ों रुपये की आबकारी ड्यूटी कैसे जमा करेंगे।

कच्चे माल का लगभग 80 फीसद हिस्सा आता है विदेश से

मिडिल ईस्ट युद्ध के संकट के बीच आयात ड्यूटी में राहत अधूरी, दवाओं का उत्पादन घटने की आशंका

इंदौर, दोपहर मेट्रो

खाड़ी संकट के बीच सरकार ने दवाओं के कच्चे माल के आयात पर ड्यूटी में पूरी तरह छूट दे दी है। ड्यूटी में दी गई यह छूट भी दवा कंपनियों के लिए नाकाफी है। असल में दवाओं के कच्चे माल के दामों में महीनेभर में इतनी बेतहाशा वृद्धि हुई है कि सरकार की दी गई छूट ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है।

इस सबके असर से जरूरी दवाओं के उत्पादन में भी अब कमी आने की आशंका जताई जा रही है। उत्पादन में कमी हुई तो आगे अस्पतालों और दवा की दुकानों में भी स्टाक कम हो सकता है। दवाओं के निर्माण में उपयोग

आने वाला कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट (एपीआई) का लगभग 80 फीसद हिस्सा विदेश से आयात होता है। सरकार बीते समय तक एपीआई के आयात पर 8 से 9 प्रतिशत तक ड्यूटी लगा रही थी। अब इसे शून्य कर दिया गया है।

10 प्रतिशत की राहत मिल रही

मप्र बेसिक ड्रग डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी मूलचंदानी के अनुसार ड्यूटी घटाकर सरकार ने दवा निर्माताओं को राहत देने की कोशिश की है। हालांकि ये भी सच है कि दवा के कच्चे माल एपीआई की कीमतें जिस गति से बढ़ी हैं, उसके अनुपात में जो अभी राहत मिली है, उससे दवा निर्माताओं को अधिकतम 10 प्रतिशत तक राहत मिल सकती है। हालांकि इसका असर बाजार पर होने की उम्मीद कम है क्योंकि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि इससे कई गुना ज्यादा है।

दोपहर मेट्रो केंचुआ खाद और गोमूत्र से लिया फसलों का बेहतर उत्पादन; हल्दी-चना की भी करने लगे खेती

खंडवा के छिरवेल की पहचान बनी सीताफल -सोना-मोती गेहूं

खंडवा, दोपहर मेट्रो

खंडवा जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर छिरवेल गांव की पहचान अब अच्छी क्वालिटी के सीताफल और प्राचीन किस्म वाले सोना-मोती गेहूं के साथ ही जैविक हल्दी से हो रही है। चार साल पहले यहां के उन्नत किसान लोकेश पालीवाल ने जैविक खेती शुरू की। उन्होंने बेहतर उत्पादन के लिए सेवफल और कद्दू से जैविक रसायन बनाया। खेत में ही केंचुआ को गोबर खाद में डालकर वर्मी कंपोस्ट तैयार किया। केंचुए से वर्मीवाश बनाकर फसलों में स्प्रे कर जमीन में भी पानी के साथ वर्मीवाश चलाया। इसके लिए गौशाला बनाई और गौमूत्र से अर्क बनाकर खेती में उपयोग किया।

इससे वे फसलों का बेहतर उत्पादन ले रहे हैं। इसी कारण आस-पास के गांवों से भी किसान उनके द्वारा खेती में किए जा रहे नवाचार देखने आ रहे हैं। किसान ने बताया कि मैंने चार साल पहले जैविक खेती की शुरुआत की थी। 15 एकड़ में सीताफल का बगीचा लगाया। अच्छा उत्पादन होने लगा तो तीन साल पहले 18 एकड़ में गेंहू की प्राचीन किस्म सोना-मोती लगाई। साथ ही 6 एकड़ में चना भी लगाया। इस साल प्रयोग के तौर पर एक एकड़ में जैविक हल्दी भी लगाई है। कुल 40 एकड़ जमीन पर पूरी तरह जैविक खेती की जा रही है।

सेवफल और कद्दू से बनाया जैविक रसायन- किसान लोकेश पालीवाल के अनुसार सेवफल और कद्दू से जैविक रसायन बनाने की विधि एक समान है। इसके लिए एक ड्रम में 50 किलो सेवफल काटकर डाले जाते हैं। इसमें 16 किलो गुड़ मिलाकर पानी से ड्रम भरकर तीन माह के लिए बंद कर देते हैं। इसके बाद इसे 10 से 20 लीटर प्रति एकड़ उपयोग किया जाता है। इससे जो बैक्टेरिया बनते हैं, वह जमीन में सुधार करते हैं। इसी तरह 50 किलो कद्दू में 16 किलो गुड़ और पानी मिलाकर जैविक रसायन बनाया जाता है।

आश्वन विधि से बना रहे गौ अर्क

किसान ने बताया पौधों को प्रोटीन-विटामिन देने के लिए खेत में ही आश्वन विधि से गौ अर्क तैयार किया जा रहा है। इसके लिए गौमूत्र एकत्र करते हैं। उसे मटके में भरकर धीमी आंच पर गर्म करते हैं। उपरी हिस्से में लगे ढक्कन में पाइप लगाकर वाष्प को एकत्र करते हैं। यही वाष्प गौ अर्क कहलाती है। 40 लीटर गौमूत्र में 3 से 5 लीटर अर्क निकलता है। प्रति 16 लीटर में 200 से 250 एमएल तक गौमूत्र का उपयोग किया जाता हैं। इससे नाइट्रोजन की पूर्ति होती है। एक फसल में एक बार जब नाइट्रोजन की जरुरत होती है तक छिड़काव करते हैं।

चावल और गुड़ से तैयार कर रहे माइकोराइजा

किसान ने बताया पौधों को प्रोटीन-विटामिन देने के लिए चावल और गुड़ से माइकोराइजा भी तैयार कर रहे हैं। इसके लिए चावल को उबालकर उसमें गुड़ मिलाते हैं। एक मटके में दो किलो चावल और 1 किलो गुड़ मिलाकर 8 से 10 मटके तैयार करके उन्हें पेड़ के नीचे गाड़ते हैं। ऊपर कपड़े से मुंह बांध देते हैं। 8 दिन बाद निकालकर एक मटके का माल 200 लीटर के ड्रम में डालते हैं। ड्रम में 2 किलो गुड़ डालकर पानी से भर देते हैं। 15 दिन बाद प्रति एकड़ चलाते हैं 200 लीटर छिड़काव करते हैं।

सोच बनाम संभावनाएं

आज के तेज-रफ़्तार दौर में एक अजीब विडंबना सामने आ रही है- मनुष्य के पास सोचने की अद्भुत क्षमता है, लेकिन वह उससे बचता हुआ नजर आता है। जैसे विचार करना किसी अतिरिक्त बोझ की तरह हो। जीवन को समझने की बजाय लोग उसे बस निभा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल साधारण लोगों तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षित और जागरुक माने जाने वाले वर्ग में भी गहराई से देखी जा सकती है। दरअसल, समस्या केवल सोचने की कमी नहीं है, बल्कि सही दिशा में सोचने की कमी है। कई लोग विचार तो करते हैं, लेकिन उनकी सोच बिखरी हुई और अव्यवस्थित होती है। यह स्थिति बताती है कि हमने आत्मचिंतन की आदत को कहीं खो दिया है। हम अपने भीतर झांकने के बजाय बाहरी दुनिया में उलझे रहते हैं, और यही दूरी धीरे-धीरे हमें अपने ही अस्तित्व से अलग कर देती है। इसका सबसे बड़ा असर हमारी दृष्टि पर पड़ता है। हम अपनी आंखों के सामने मौजूद वास्तविकताओं को भी गहराई से नहीं देख पाते। घटनाएं घटती रहती हैं, अवसर सामने आते हैं, लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते। ऐसा लगता है जैसे हम जीवन को जी नहीं रहे, बल्कि केवल उसके ऊपर से गुजर रहे हैं। यह मानसिक अलगाव हमें एक ऐसी स्थिति में पहुंचा देता है, जहां वर्तमान ही अंतिम सत्य प्रतीत होने लगता है। जब व्यक्ति यह मान लेता है कि आज जैसा है, वैसा ही हमेशा रहेगा, तब उसके भीतर से नई संभावनाओं की कल्पना समाप्त हो जाती है। उसका जीवन सीमित अनुभवों में सिमट जाता है, जहां न बदलाव की जगह होती है, न नए अवसरों की। यह सोच न केवल व्यक्तिगत विकास को रोकती है, बल्कि समाज की प्रगति को भी धीमा कर देती है। लेकिन सच्चाई यह है कि जीवन कभी स्थिर नहीं होता। हर पल बदलता है, हर क्षण अपने भीतर नई संभावनाएं छिपाए रहता है। जरूरत है तो केवल उस बदलाव को देखने और समझने की। जब हम सजग होकर अपने अनुभवों का विश्लेषण करते हैं, तब हमें यह एहसास होता है कि भविष्य कोई तयशुदा रास्ता नहीं, बल्कि एक खुला मैदान है। समय की मांग है कि हम अपनी चेतना को जागृत करें। अपने मन और इंद्रियों का सही उपयोग करें। जीवन को केवल घटनाओं की श्रृंखला न मानकर, एक सृजनात्मक प्रक्रिया के रूप में देखें। जब यह दृष्टिकोण विकसित होगा, तभी हम अपने भविष्य को नए ढंग से गढ़ पाएंगे। सवाल यह नहीं है कि हमारे पास कितनी क्षमता है, बल्कि यह है कि हम उसका उपयोग कैसे करते हैं। जागरुकता ही वह कुंजी है, जो न केवल व्यक्ति को, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा दे सकती है।

कार्यकर्ता के विश्वास से शिखर तक, भाजपा की विराट यात्रा

हेमंत खण्डेलवाल
प्रदेश अध्यक्ष भाजपा

अप्रैल केवल एक स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं के तप और संकल्प का स्मरण है, जिन्होंने विचार को जीवन का ध्येय बनाकर संगठन को शिखर तक पहुंचा भारतीय जनता पार्टी की यात्रा केवल सत्ता तक पहुंचने की कहानी नहीं, बल्कि उस विश्वास की कहानी है जिसमें अंतिम पंक्ति का कार्य भी स्वयं को राष्ट्र निर्माण का साभाग मानता है। डॉ. रामप्रसाद ने प्रति परिस्थितियों में जनसंघ का नया जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' के सिद्धांत से सींचा। यह विचार संगठन को राजनीतिक दल से आगे बड़ाकर एक वैचारिक परिवार बनाता है। आगे चलकर अटल वाजपेयी ने संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के माध्यम से इसे जन-जन तक पहुंचाया, जबकि कुशाभाऊ ठाकरे ने कार्यकता आधारित संगठन की मजबूत नींव रखी। दो सांसदों से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की सबसे हीरामन पाटी तक पहुंची है, जीत धस्तर पर कार्य करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम है। भाजपा की विशेषता उसकी सैनारिक स्पष्टता राष्ट्र प्रथम, और संगठन में निहित है। 2014 के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और अमित शाह के संगठन विस्तार में वैश्विक पहचान दी।

आज भाजपा भारतीय राजनीति की केंद्रीय चुरी बन चुकी है। पूर्वोत्तर राज्यों सहित देशभर में इसका विस्तार यह दर्शाता है कि मजबूत विचार और

संगठन असंभव को संभव बना सकते है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक इसकी उपस्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। वैचारिकता को नीतियों में भी उतारा गया है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370 का हटाना दशकों पुराने संकल्पों की पूर्ति हैं। तीन तलाक कानून नागरिकता संशोधन कानून और आपराधिक न्याय सुधार जैसे निर्णय सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

अंत्योदय के सिद्धांत पर आधारित जनकल्याण योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव है। योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री सरोजन ने गरीबों को वैकिंग, स्वास्थ्य, स्वच्छ कर्जा और आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करें। हर पर जल और बिजली जैसे पहले भी जीवन स्तर सुधारने में सहायक रहीं।

मध्यप्रदेश इस कार्यकर्ता आधारित संस्कृति का उदाहरण है, जह मोहन सादव के नेतृत्व में विकास और सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा मिल रही है। यहां बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ताको भूमिका निर्णायक है।

स्थापना दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि संगठन की शक्ति उसके कार्यकताओं में निहित है। कार्यकर्ता भाजपा की आत्मा और कर्जा है। 47वें वर्ष में प्रवेश के साथ अवसर केवल उपलब्धियों का नहीं, बल्क भविष्य के संकल्पों को सशक्त करने का भी है। भारत 2047 का लय एक राष्ट्रीय संकल्प है, जिसे साकार करने की जिम्मेदारी करोड़ों काफताओं पर है। यह यात नहीं कि विश्वास को विजय है, और यही विश्वास भारत के भविष्य की सबसे बड़ी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदाय है अदृश्य भारत की पहचान और उम्मीदों का नया द्वार

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

भारत की स्वाधीनता को 77 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन देश का एक बड़ा हिस्सा आज भी अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है—ये हैं डिनोटिफाइड, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदाय, जिन्हें हम डीएनटी, एनटी, एसएनटी समुदाय के नाम से जानते हैं। अनुमान लगाया जाता है कि इनकी जनसंख्या आठ से ग्यारह करोड़ के बीच है, पर विडंबना यह है कि भारत की किसी भी राष्ट्रीय जनगणना ने इन्हें कभी अलग श्रेणी में नहीं गिना। इसी कारण 2027 की प्रस्तावित जनगणना को लेकर इन समुदायों में नई आशा जन्मी है, क्योंकि पहली बार उनकी पहचान साफ़-साफ़ दर्ज होने की संभावना बन रही है।

इन समुदायों की पीड़ा इतिहास की धूल में दबी पड़ी है। 1871 के क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट ने लगभग 150-200 समुदायों को 'जन्मजात अपराधी' घोषित कर दिया था। 1952 में यह कानून भले ही खत्म हुआ, लेकिन समाज की नज़रों में अपराधीकरण का दाग अब तक नहीं मिटा। आज भी कई जगह पुलिस निगरानी, सामाजिक भेदभाव और अविश्वास का सामना उन्हें करना पड़ता है। स्वतंत्र भारत की जनगणनाओं में इन समुदायों के लिए अलग जगह न होना भी एक और बड़ी कमी रही है। सरकार का तर्क यह रहा कि इनकी पहचान राज्य-वार सूचियों में पहले से मौजूद है, लेकिन विशेषज्ञ इसे नीति की अस्पष्टता और प्रशासनिक सुस्ती बताते हैं। स्थिति इतनी जटिल है कि एक ही समुदाय एक राज्य में अनुसूचति जाति (एससी), दूसरे में अनुसूचित जनजाति (एसटी), तीसरे में ओबीसी और कहीं-कहीं किसी भी सूची में नहीं मिलता। नतीजतन योजनाओं, छात्रवृत्तियों, आरक्षण और पुनर्वास में भारी असमानताएँ पैदा होती हैं।

वस्तुतः कई आयोगों ने तो यहाँ तक उल्लेख किया है कि इन समुदायों के नाम पर आने वाला फंड अक्सर उनसे पहले ही किसी और द्वारा खपा लिया जाता है। स्थायी पते की कमी ने इन्हें पहचान-पत्रों, राशन कार्डों, बैंकिंग सुविधाओं और स्वास्थ्य योजनाओं से भी दूर रखा है। 'रेन्के कमीशन' ने कहा था कि सरकारी संसाधन इन समुदायों तक शायद ही पहुँच पाते हैं। दो बड़े आयोग, रेनके (2008) और इदाते (2018) ने विस्तृत अध्ययन कर कई महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं, पर उनका क्रियान्वयन आज भी बेहद सीमित है। सुप्रीम कोर्ट भी इस विषय को सरकार की नीति का हिस्सा मानकर हस्तक्षेप से पीछे हट गया है, जिससे इन समुदायों की निगाहें अब पूरी तरह केंद्र सरकार के निर्णय पर टिकी हैं। दुखद यह है कि भारत के मीडिया और राष्ट्रीय विमर्श में भी ये समुदाय लगभग अदृश्य बने हुए हैं। जहाँ सामाजिक न्याय की बहसें अक्सर एससी/एसटी/ओबीसी के इर्द-गिर्द घूमती हैं, वहीं डीएनटी, एनटी, एसएनटी समुदायों का उल्लेख मुश्किल से देखने को मिलता है। विशेषज्ञ इसे 'भारत का अदृश्य सामाजिक वर्ग' कहते हैं, लेकिन इस अँधेरे में भी आशा की किरण है। 2027 की जनगणना यदि इन्हें अलग पहचान दे दे, तो पहली बार देश को इनके वास्तविक आँकड़े मिलेंगे, नीतियाँ सटीक बनेंगी, फंडिंग का लक्ष्यीकरण बेहतर होगा और सदियों पुरानी उपेक्षा को दूर करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया जा सकेगा।

यही कारण है कि इन समुदायों का कहना है, 'पहचान ही अधिकार का पहला कदम है।' इन सबके बीच एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के घुमंतू-अर्धघुमंतू समुदायों के बीच गहरा और निरंतर काम किया है। संघ के स्वयंसेवकों ने प्रशासन के साथ मिलकर 50,000 से अधिक परिवारों को आधार कार्ड, राशन कार्ड और पहचान-पत्र उपलब्ध कराए, जिससे वे पहली बार सरकारी योजनाओं और जनकल्याण व्यवस्था से जुड़ सके। संघ द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों, जैसे सिलाई, बढ़ईगीरी, हस्तशिल्प, कृषि तकनीक, मोबाइल रिपेयरिंग और लोककला प्रशिक्षण ने अनेक परिवारों में आत्मनिर्भरता का नया भाव जगाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों ने समुदायों का आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पूरे परिदृश्य में एक बात स्पष्ट है कि भारत का यह बड़ा और बहु-आयामी सामाजिक वर्ग अब भी मान्यता और सम्मान की प्रतीक्षा में है। 2027 की जनगणना उनके लिए सिर्फ आँकड़ों का सवाल नहीं है, यह तो उनकी पहचान और सम्मान की पहली सीढ़ी है। देश यह कदम कब और कैसे उठाता है, यही आने वाले समय में इन समुदायों के भविष्य का निर्धारण करेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

नींद की कमी से बढ़ता गंभीर बीमारियों का खतरा , स्लीप पैटर्न में बदलाव जरूरी

अच्छी और पर्याप्त नींद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग दिनभर की जानकारी को प्रोसेस करता है और शरीर खुद को रिपेयर करता है। लगातार कम नींद लेने से दिल की बीमारियों, डायबिटीज, मोटापा और मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए रोज कम से कम 7-8 घंटे की अच्छी नींद जरूर लें। पर्याप्त और अच्छी क्वालिटी की नींद शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों को संतुलित रखने में मदद करती है। सबसे पहले इसका असर दिल की सेहत पर पड़ता है। नींद की कमी से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और लंबे समय में हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

कम नींद लेने से स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल का बढ़ना, सूजन और धमनियों में ब्लॉकेज का जोखिम बढ़ सकता है। जो लोग रोजाना 7-8 घंटे से कम सोते हैं उनमें हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और दिल का दौरा पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। जो लोग 5 घंटे से कम सोते हैं उन्हें हार्ट अटैक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

नींद की कमी से डायबिटीज का रिस्क: नींद का सीधा संबंध डायबिटीज और मेटाबॉलिक हेल्थ से भी है। कम नींद लेने से शरीर में इंसुलिन का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है। लगातार नींद की कमी से मोटापा बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाता है, क्योंकि इससे भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित होते हैं।

दिमागभी प्रभावित होता है। पर्याप्त नींद न मिलने पर व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, गुस्सा और भावनाओं पर नियंत्रण कम होने जैसी समस्याएं देखी जा सकती हैं। कई लोगों को ब्रेन फॉग यानी दिमाग का सुस्त होना जैसे लक्षण भी महसूस होते हैं। व्यक्ति की तनाव को कंट्रोल करने की क्षमता भी कम हो जाती है। लंबे समय तक पर्याप्त नींद न लेने से एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। कुछ मामलों में नींद की कमी गंभीर मानसिक लक्षणों को भी ट्रिगर कर सकती है।

अच्छी नींद के लिए क्या करें?: रोज की आदतों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके नींद की क्वालिटी को सुधारा जा सकता है। इसके लिए- रोज एक ही समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं, सोने से पहले मोबाइल या स्क्रीन का इस्तेमाल न करें, सोने से पहले चाय-कॉफी न पिएं, अच्छी नींद के लिए शांत वातावरण में सोएं। कई लोग ये मानते हैं कि 7-8 घंटे से कम सोने पर भी उनकी नींद पूरी हो जाती है, लेकिन धीरे-धीरे नींद की कमी का असर उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए हेल्दी डाइट और रेगुलर एक्सरसाइज के साथ-साथ पर्याप्त और क्वालिटी नींद को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है।

सुविचार

जैसे उबलते पानी में कभी परछाई नहीं दिखती। ठीक उसी प्रकार परेशान मन से समाधान भी नहीं दिखते। शांत होकर देखिए सभी समस्याओं का हल मिल जायेगा...।

-अज्ञात

निशाना

वो पग -पग शूल..!

महेश अग्रवाल

वो पग- पग पर शूल बिछाकर खुश हो जाते हैं
हम फूलों की गंध लुटाकर खुश हो जाते हैं
लोग अंधेरे में अंधियारों को कोसा करते
हम मिट्टी का दीप जलाकर खुश हो जाते हैं
वो मेवा का भोग लगाते सेवा के बदले
हम मेहनत की रोटी खाकर खुश हो जाते हैं
क्या-क्या करते लोग जरा से सुख की चाहत में
हम तो दुख से हाथ मिलाकर खुश हो जाते हैं
वो बच्चों का दिल बहलाते महंगी चीजों से
हम बातों से दिल बहला कर खुश हो जाते हैं
वह जो खाते उससे ज्यादा फेंक दिया करते
कुछ उनकी जूठन खाकर ही खुश हो जाते हैं
वो खुद का यश गान किया करते हैं भाषण में
हम गैरों का दर्द सुना कर खुश हो जाते हैं।

वायरल कंटेंट

बेटी पैदा होने पर पिता ने सड़कों पर मनाया जश्न उनके भावुक अंदाज ने जीता हर किसा का दिल!

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सड़क पर दौड़ती एक कार नजर आती है, जो गुलाबी गुब्बारों से सजी हुई है और पीछे एक बड़ा सा पोस्टर लगा है 'बेटी हुई है।' एक समय ऐसा भी था जब बेटी के जन्म पर घरों में खामोशी छा जाती थी, लेकिन अब हालात बदलते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो इसी बदलाव की खूबसूरत झलक दिखा रहा है। यह दृश्य सिर्फ जश्न नहीं, बल्कि समाज की बदलती सोच की कहानी कहता है। वीडियो देखने के बाद लोगों के चेहरे पर मुस्कान और दिल में गर्व दोनों झलक रहे हैं। वीडियो में दिखाई देता है कि एक कार को गुलाबी और सफेद गुब्बारों से खूबसूरती से सजाया गया है। कार के पीछे बड़े अक्षरों में 'बेटी हुई है' लिखा हुआ है, जो सड़क पर चलते हर व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

इस अंदाज में मनाया जा रहा जश्न साफ बताता है कि पिता अपनी बेटी के जन्म से बेहद खुश है। यह केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि समाज में बदलती सोच और बेटियों के प्रति बढ़ते सम्मान का भी प्रतीक है।

वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की भरमार हो गई। कई यूजर्स ने इसे असली प्रगति बताया, तो कुछ ने कहा कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि गर्व होती हैं। यह वीडियो लोगों के दिलों को छू रहा है और उन्हें भावुक भी कर रहा है।

जहां पहले बेटियों को लेकर नकारात्मक सोच देखने को मिलती थी, वहीं अब ऐसे जश्न उन पुरानी धारणाओं को तोड़ते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो एक मजबूत संदेश देता है कि बेटा और बेटी में कोई अंतर नहीं है। यह वायरल वीडियो लोगों को प्रेरित कर रहा है। कई लोग इसे शेयर करते हुए कह रहे हैं कि समाज में ऐसे सकारात्मक बदलाव की बहुत जरूरत है। एक कार, कुछ गुब्बारे और एक पोस्टर भले ही ये चीजें साधारण लगें, लेकिन इनका संदेश बहुत गहरा है। यह वीडियो दिखाता है कि जब सोच बदलती है, तो समाज भी बदलने लगता है। छोटी-छोटी खुशियां मिलकर एक बेहतर भविष्य की नींव रखती हैं। जहां कभी बेटियों के जन्म पर नकारात्मक सोच हावी रहती थी, वहीं अब उनके आने पर जश्न मनाया जा रहा है, जो सच में एक सुंदर और उम्मीद भरी तस्वीर पेश करता है।

यूजर्स गाइड

पीएनजी गैस बिल में लग रही है गड़बड़ी तो घर बैठे खुद भी बना सकते हैं अपना बिल

क्या आप जानते हैं कि अपने पीएनजी कनेक्शन का बिल आप खुद भी जेनरेट कर सकते हैं? इसे सेल्फ बिलिंग कहा जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा है कि पीएनजी बिल में किसी तरह की गड़बड़ी होने की संभावना नहीं रह जाती। इसे आप उस कंपनी के ऐप पर चंद स्टेप्स में पूरा कर सकते हैं, जिसका कनेक्शन आप इस्तेमाल कर रहे हैं।

सरकार ने उन लोगों के लिए PNG कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया है, जिनके इलाके में गैस पाइपलाइन उपलब्ध है। ऐसे में अगर आप भी कनेक्शन ले रहे हैं, तो PNG कनेक्शन के सबसे बड़े फीचर सेल्फ बिलिंग के बारे में आपको पता होना चाहिए। यह फीचर उन लोगों के लिए है, जिन्हें शक होता है कि उनका PNG बिल जरूरत से ज्यादा आ रहा है। सेल्फ बिलिंग फीचर की मदद से आप खुद अपने PNG मीटर की रीडिंग ले सकते हैं और खुद ही बिल जेनरेट कर सकते हैं। इसके बाद बिल में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रह जाती।

PNG कनेक्शन एक साधारण LPG गैस कनेक्शन के मुकाबले ज्यादा स्मार्ट होता है और इससे जुड़े कई काम आप ऐप के जरिए कंट्रोल किए जा सकते हैं। सेल्फ बिलिंग भी इन्हीं फीचर्स में से एक है। बता दें कि चंद स्टेप्स में आप सेल्फ बिलिंग कर सकते हैं।

ऐप पर अकाउंट होना जरूरी: सेल्फ बिलिंग करने के लिए जरूरी है कि आपका अकाउंट उस कंपनी की ऐप पर हो, जिसका आपने कनेक्शन लिया है। आपने जिस कंपनी का PNG कनेक्शन लिया है, उसकी वेबसाइट पर जाकर ऑफिशियल ऐप डाउनलोड कर लें और कस्टमर आईडी की मदद से अकाउंट रजिस्टर कर लें। सेल्फ बिलिंग करने के लिए PNG कंपनी की ऐप पर लॉग इन करने के बाद सेल्फ बिलिंग के टैब पर क्लिक करें। यह ऑप्शन आपको होम पेज पर मिल जाएगा। इसके बाद अपनी कस्टमर आईडी दर्ज करें अब ऐप में मीटर की रीडिंग दर्ज करें। इसके बाद मीटर की एक तस्वीर अपलोड करने के लिए कहा जाएगा। गौर करें कि मीटर की तस्वीर में रीडिंग साफ दिख रही हो। इसके बाद सेल्फ रीडिंग को सबमिट कर दें।

एक बार जब आप सेल्फ बिलिंग की प्रक्रिया को पूरा कर देंगे, तो 24-48 घंटे में आपका बिल जेनरेट हो जाएगा। यह बिल उसी रीडिंग के आधार पर बना होगा, जो आपने सेल्फ बिलिंग के दौरान सबमिट की होगी। इसके बाद आप ड्यू तारीख के अनुसार अपने बिल की पेमेंट कर पाएंगे।

न्यूज विंडो

माया नारोलिया ने नवनियुक्त एल्डरमैन का किया सम्मान

नर्मदापुरम। सांसद संवाद केंद्र में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की अध्यक्षता में नवनियुक्त एल्डरमैन राम नवलानी, हीरामणि भावसार और संतोष मीना का भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। सांसद ने शाल-श्रीफल भेंटकर उनका स्वागत किया।नारोलिया ने बधाई देते हुए कहा कि भाजपा का इन पर विश्वास नर्मदापुरम के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा आपके अनुभव और समर्पण से नगर को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। इसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, विकास नारोलिया, नंदकिशोर यादव, सुंदरम अग्रवाल, महेंद्र सिंह आनंद, सुरेंदरजीत सिंह, मंजू आनंद, नरसिंह रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परंपराओं के संरक्षण में भजन मंडलियों की भूमिका अहम: सांसद नारोलिया

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने आज अपने निज निवास स्थित कार्यालय पर सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए वार्ड क्रमांक 21 के विचित्र हनुमान मंदिर रेवा रामायण भजन मंडल को भजन सामग्री वितरित की। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती नारोलिया ने कहा कि भजन मंडलियों की सक्रिय भागीदारी समाज में आध्यात्मिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी सांस्कृतिक पहलें हमारी गौरवशाली परंपराओं और नैतिक मूल्यों के संरक्षण में सहायक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, संतोष मीना, सुन्दर अग्रवाल, विशाल दीवान सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

घाट निर्माण को लेकर पेटी ठेकेदार और विधायक के बीच तनातनी

डिंडौरी। डिंडौरी में नर्मदा नदी के पुल केनीचे चल रहे घाट निर्माण कार्य को लेकर एक पेटी कांट्रेक्टर ने शहपुरा विधायक पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। पेटी ठेकेदार का आरोप है कि विधायक द्वारा उससे धक्का-मुक्की की गई और मोबाइल तोड़ने की कोशिश की गई। वहीं, विधायक ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने ठेकेदार द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। विधायक का कहना है कि वे एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और किसी भी गलत कार्य को नहीं होने देंगे।

बिजली कंपनी की मनमानी से उपभोक्ता परेशान, कारोबार पर भी असर

38 डिग्री तापमान और लगातार 6 घंटे कटौती लोगों को न घर में चैन मिला, न ही बाहर सुकून

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बिजली व्यवस्था सुधार को लेकर सरकार भले ही कितने दावे कर लें लेकिन अफसरों की मनमानी के आगे उनके सारे दावे बेकार साबित हो रहे हैं। आए दिन भरी सभाओं में सरकार के नुमाइंदे मध्यप्रदेश की बिजली व्यवस्था की वाहवाही करते दिखाई देते है और दिग्विजय सरकार की बदहाली का बखान करते नहीं थकते। इधर बिजली कंपनी की मनमानी सिरोंज शहरवासियों पर हर दिन भारी पड़ रही है। कंपनी आए दिन रखरखाव के नाम पर बिजली कटौती कर रही है। 38 डिग्री तापमान वाले दिनों में कंपनी की ये लोगों की परेशानी भरी साबित हो रही है। रविवार को भी कंपनी द्वारा दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली कटौती करने का ऐलान किया गया था। इसके बाद भी सुबह से ही बिजली की लुकाछिपी शुरू हो गई। दोपहर में 12 बजे शहर के हाजीपुर फीडर, वाटर वर्क्स फीडर, पावर हाउस फीडर, रोहिलपुरा फीडर, भारत ओमान फीडर, यूनिवर्सिटी फीडर और पंचकुइया फीडर से जुड़े इलाकों की बिजली गुल हो गई। एक तरह से इन फीडरों से सारा शहर ही जुड़ा हुआ है। गर्मी के मौसम में सुबह 9 बजे से ही श्हार में तपने लगता है। घर में तेज उमस थी और बाहर तेज धूप निकल रही थी। बिजली के अभाव में लोगों को न घर में चैन मिल रहा था और न ही बाहर सुकून। जैसे-तैसे लोगों ने घर में ही रूक कर 12 बजे तक का समय निकाला। इसके बाद बिजली गुल हो गई। अब बिना बिजली के लोगों का एक-एक मिनट भारी हो रहा था। लोग घरों में बैठे-बैठे ही पसीने में तर हो रहे थे। सबसे बुरी स्थिति बच्चों की थी। वे घर में पसीने में तर हो रहे थे तो परिजन उन्हें बाहर खेलने भी नहीं जाने दे रहे थे। इस बीच कटौती का दौर शाम 6 बजे तक लगातार बना रहा।

छह घंटे इंतजार, फिर भी लुकाछिपी चलती रही

6 घंटे के लंबे इंतजार के बाद शाम 6 बजे बिजली वापस आई। इस बीच लोगों को एक बार फिर कटौती की वजह से अवगत कराया गया। इस कारण इतने लंबे समय तक कटौती की मार शहरवासियों को झेलना पड़ी। 6 बजे लोगों को थोड़ी राहत मिली ही थी कि फिर से बिजली की लुकाछिपी का दौर शुरू हो गया। जो देर शाम तक लगातार बना रहा।

शीतलपेय विक्रेता हुए ज्यादा परेशान

इतनी लंबी बिजली कटौती उन लोगो के लिए ज्यादा दिक्कत भरी साबित हुई जिनके यहां पर कोई आयोजन था। हाजीपुर निवासी रवींद्र दुबे ने बताया कि रविवार का दिन जरूरी काम और आराम का होता है लेकिन बिजली कटौती ने दिनभर का सुख चैन ही लूट लिया। न घर में चैन मिला और न ही तेज धूप के कारण बाहर जा सके। ऐसी ही स्थिति शीतल पेय विक्रेताओं की थी। गन्ने की दुकान चलाने वाले रफत मियां ने बताया कि रविवार का दिन ग्राहकी का होता है लेकिन दोपहर में बिजली नहीं होने के कारण दुकान दिनभर ठप्प रही।

ओलावृष्टि से किसानों की कमर टूटी, हजारों पक्षी मरे, कई गांवों में बिजली सप्लाई ठप

भिंड। दोपहर मेट्रो

ओलावृष्टि से जिले के एक सैकड़ा से अधिक गांवों में किसानों की फसल तबाह हो गई है। रविवार को जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। मौ क्षेत्र में आसमान से आई तबाही ने लोगों की फसलें ही नहीं, आशियाने भी छीन लिए। सलमपुरा में आधा दर्जन लोगों के मकान ढह गए, लेकिन प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा। इसके विरोध में सलमपुरा के ग्रामीणों ने दोपहर मौ-चितौरा रोड पर चक्काजाम कर दिया। सूचना लगते ही गोहद विधायक केशव देसाई, तहसीलदार पवन ड्क्ससह और टीआई रघुवीर मीणा ने ग्रामीणों को समझाइश दी तब आधे घंटे बाद जाम खोला गया।

बता दें ओलावृष्टि के साथ तेज बारिश और तूफान ने लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। मेहगांव, गोहद, मौ, भारौली और अमायन क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों में बिजली के खंभा और लाइनें उखड़ जाने से बिजली ठप है। रविवार को बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने कुछ गांवों में मेंटेनेंस कर सप्लाई बहाल की। गांवों में हुई ओलावृष्टि से किसानों के खेतों में 70 प्रतिशत तक नुकसान है। अमायन, बिरखड़ी, सलमपुरा सहित कई गांवों में सौ प्रतिशत तक नुकसान बताया जा रहा है। वहीं प्रशासन ने अभी तक सर्वे दल गठित नहीं किए हैं। जिससे किसानों में शासन व प्रशासन के खिलाफ आक्रोश है। आपदा का कहर जिले के किसानों पर सबसे अधिक टूटा है। अमायन क्षेत्र में तीन घंटे हुई झमाझम बारिश, ओलावृष्टि और तेज आंधी से फसलें खराब हो गई हैं। खेतों में कटी रखी फसल पानी में तैर रही है। रविवार को कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला और एसडीएम नवनीत शर्मा, कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में पहुंचे तो किसानों ने अपनी पीढ़ा जाहिर की। किसान कैलाश राजौरिया और हरि बरेठा ने बताया कि हम बर्बाद हो गए।

दिव्य कायस्थ चित्रांश महा-समागम का बाड़ी में आयोजन

प्रतिभाओं और समाजसेवियों का किया सम्मान

रायसेन। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (अभाकाम) जिला रायसेन के तत्वावधान में बाड़ी स्थित सुमित्रा मैरिज गार्डन में दिव्य कायस्थ चित्रांश महा-समागम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस समागम ने कायस्थ समाज की एकता और शक्ति के नए मानक स्थापित किए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण समाज की विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान समारोह रहा। मंच से मेधावी विद्यार्थियों सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने वाली खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समाज के गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, प्रगतिशील कृषकों और राजनीतिक हस्तियों का भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गौरवगान किया गया।

समागम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं अभाकाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री विश्वास कैलाश नारायण सारंग रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रामगोपाल श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री ब्रजेश श्रीवास्तव और अन्य प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रांतीय संयोजक श्री पंकज श्रीवास्तव (डब्बू भैया) और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री डॉ. अमित श्रीवास्तव के विशेष सहयोग से आयोजित इस समागम में जिले भर से हजारों की संख्या में चित्रांश बंधु उपस्थित हुए।

कर्मचारियों की आवाज उठाई तो नपा ने थमा दिया अवैध निर्माण का नोटिस

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर में नपा कर्मचारियों के हितों की आवाज उठाने वाले स्थानीय कर्मचारी नेता और दुकानदार सुरेश श्रीवास्तव को नगर पालिका मंडीदीप ने 'अवैध निर्माण' का नोटिस थमा दिया है। मामला वार्ड नंबर 1, स्टेशन रोड स्थित उनकी सब्जी मंडी की दुकान के बाहर बने प्लेटफार्म का है, जिसे नपा अब तोड़ने का आदेश दे चुकी है।

श्रीवास्तव बीते कई दिनों से नगर पालिका के स्वच्छता कर्मचारियों के ईएसआई, पीएफ जैसी सुविधाओं और समय पर वेतन भुगतान का मुद्दा लगातार उठा रहे थे। उनकी इस पहल से नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल बेहद नाराज बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों के पक्ष में खड़े होने की 'सजा' के तौर पर ही यह नोटिस जारी किया गया।

सुरेश श्रीवास्तव के बेटे नितिन श्रीवास्तव ने नगर पालिका को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट कहा स्थानीय दुकानदार लंबे समय से इस क्षेत्र में नाली निर्माण की मांग कर रहे थे। मेरे पिता ने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ खड़े होकर उनकी हक की बात की, तो जनप्रतिनिधियों को परेशानी हो गई। हम जिसे अतिक्रमण बता रही है, उसे खुद हटा देंगे, लेकिन कर्मचारियों का साथ किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे।

जब इस पूरे मामले पर नपा अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल और उनके पति राजेंद्र अग्रवाल से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो दोनों ने कोई भी बयान देने से साफ इनकार कर दिया। यह घटना मंडीदीप नगर पालिका में कर्मचारियों के अधिकारों और जनप्रतिनिधियों के रवैये पर सवाल खड़ा कर रही है। क्या कर्मचारियों की वैध मांगें उठाना अब 'अपराध' बन गया है और क्या नपा अब अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर प्रतिशोध ले रही है। स्थानीय दुकानदारों और कर्मचारियों में इस नोटिस को लेकर गुस्सा है। कई लोग इसे लोकतंत्र और मजदूर हितों पर हमला बता रहे हैं।

श्रमिक नेता सुरेश श्रीवास्तव ने बताया कि मैं नपा की और अध्यक्ष पति राजेंद्र अग्रवाल के द्वारा दी गई इन धमकियों से डरने वाला नहीं हूं, कर्मचारियों के हितों के लिए हमेशा खड़ा हु और रहूँगा।

नपा सीएमओ डॉ प्रशांत जैन ने कहा कि नपा का अतिक्रमण अमला शहर में ऐसे निर्माण चिह्नित कर उन्हें हटाने की कार्यवाही करता है जो यातायात में व्यवधान उत्पन्न करता है, इसी क्रम में नोटिस दिया गया है।

भाजपा नेता घर पर ले रहा था आईपीएल मैच का सट्टा, घेराबंदी कर चार आरोपी किए गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की बदनावर तहसील में पुलिस ने भाजपा नेता शांतिलाल सिर्वी के घर पर कल देर रात दबिश दी, आरोपी घर पर आईपीएल मैच का सटटा ले रहा था। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए सर्चिंग शुरु की तो पूर्व जिला महामंत्री शांतिलाल सिर्वी सहित कुल चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के दौरान आरोपी के घर से पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप, चार एंड्रॉइड और दो कीपैड मोबाइल फोन, पेन, पेंसिल, सट्टे के अंक लिखे सात पर्चे और लाखों रुपये के लेनदेन का हिसाब जब्त किया। सटटा एक्ट के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरु कर दी है।

दरअसल गत दिनों हुई मासिक समीक्षा बैठक में एसपी मयंक अवस्थी ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। इन दिनों आईपीएल मैच को लेकर भी कई सटोरिए सक्रिय हो गए हैं, ऐसे में एसपी के निर्देश व एसडीओपी अरविंदसिंह तोमर के मार्गदर्शन में बदनावर के अणुनगर स्थित भाजपा नेता के घर पर दबिश दी थी। थाना प्रभारी अमितसिंह कुशवाह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर दबिश दी। कार्यवाही के दौरान शांतिलाल पिता नानुराम सिर्वी, विनय पिता छगनलाल जाट, आदित्य पिता राजेश, अभिषेक पिता गोपाल गोयल को गिरफतार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में शांतिलाल सिर्वी भाजपा का पूर्व जिला महामंत्री रह चुका है। विनय ठाकुर भाजयुमो का नगर मंडल महामंत्री और भाजपा से पार्षद रह चुका है। तीसरा आरोपी आदित्य भी युवा मोर्चे से जुड़ा हुआ बताया गया है। टीआई कुशवाह ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अवैध सट्टेबाजी के अन्य गिरोह भी सक्रिय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

प्रेमी की आंखों में मिर्ची झोंककर दबाया था गला

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले की मंडीदीप और भैरुंदा थाना पुलिस ने मंडीदीप रेलवे स्टेशन के पास कार में मिले अज्ञात व्यक्ति की मौत की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस जांच में सामने आया है कि संतोष शर्मा की हत्या उसी की प्रेमिका महिला ने पीछा छुड़ाने के लिए अपने पति और रिश्तेदारों के साथ मिलकर की थी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए मृतक के शव को उसी की कार में रखकर रेलवे स्टेशन के पास छोड़ा गया था। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सभी पांचों आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। 31 मार्च 26 को मंडीदीप रेलवे स्टेशन के पास एक कार क्रमांक एमपी 04 टीबी 3237 में एक अज्ञात व्य?क्ति का शव संदिग्ध हालत में मिला। मंडीदीप थाना पुलिस ने मर्ग पंजीबद्ध कर जांच में लिया। बाद में शव की शिनाख्त संतोष शर्मा (50) पिता मोहनलाल शर्मा निवासी नेहरु नगर भोपाल के रूप में हुई। पुलिस ने जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर संदेही विरेन्द्र तुमराम (23) निवासी ग्राम सालारोद भैरुंदा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वारदात की पूरी कहानी बता दी। आरोपी विरेन्द्र तुमराम ने बताया कि उसने 30 मार्च 26 की रात को ग्राम भादाकुई थाना भैरुंदा में अपनी बड़ी सास रजनी, उसके पति भगवान सिंह उइके और उनकी बेटी पूजा के साथ मिलकर संतोष शर्मा की गला दबाकर हत्या की थी।

मेट्रो एंकर

आर्य समाज के 151वें स्थापना दिवस पर चार दिवसीय वेद कथा का समापन

वेदों की ओर लौटें... विश्व शांति का यही संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

आर्य समाज के 151वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय आर्य समाज मंदिर में आयोजित चार दिवसीय वेद कथा एवं आध्यात्मिक प्रवचन कार्यक्रम का समापन रविवार को पूर्णाहुति यज्ञ के साथ हुआ। कार्यक्रम में वेद विदुषी डॉ. प्रियंका आचार्य ने वेद, उपनिषद और वैदिक जीवन पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रवचनों के दौरान उन्होंने वेदों के वास्तविक स्वरूप, ईश्वर की अवधारणा, यज्ञ की महत्ता तथा उपासना की वैदिक विधि के बारे में श्रद्धालुओं को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया। साथ ही ऋषि-महर्षियों के ज्ञान, देशभक्ति, त्याग और बलिदान की प्रेरणादायक गाथाओं का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के चौथे दिन पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें 45 दंपत्तियों ने सपत्नीक भाग लेकर वैदिक परंपरा को जीवंत बनाया। मंदिर परिसर को यज्ञ वेदियों से सजाया गया था, जहां पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का विशेष माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नगर के अनेक प्रबुद्ध नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने यज्ञ में आहुति देकर विश्व शांति, मानव कल्याण और सामाजिक सद्भाव की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व अशांति और संघर्षों से जूझ रहा है, तब वैदिक यज्ञ जैसे आध्यात्मिक आयोजन शांति, सद्भाव और मानवता के संदेश को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने डॉ. प्रियंका आचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा अपने जीवन में वैदिक सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया।

डोहेला महोत्सव: कैलाश खेर के गीतों पर झूम उठा किला मैदान

लगता है किसी पौराणिक स्थल पर कैलासा सजीव हो उठा है...

सागर। दोपहर मेट्रो

खुरई के किला मैदान में डोहेला महोत्सव आतिशबाजी के साथ शुरू हो गया। पहले दिन प्रसिद्ध गायक पद्मश्री कैलाश खेर की प्रस्तुति ने किला मैदान में मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक द्य भूपेन्द्र सिंह द्वारा आयोजित इस महोत्सव में सिंह ने कहा कि खुरई का किला खंडहर बन चुका था हमने इसे ईडन गार्डन स्टेडियम की तरह हरी घास और सौंदर्य से भर दिया है। आज यह बड़ा पर्यटन स्थल है, खुरई की सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का केंद्र बन गया जिससे सैकड़ों परिवारों की आर्थिक व्यवस्था सुनिश्चित होती है. डोहेला महोत्सव ने मुंबई और खुरई तथा अमीरी और ग़रीबी के बीच की दूरी मिटा दी है। जिन बड़े कलाकारों को देखने लोग मुंबई जाते थे उन्हें खुरई के किला डोहेला में आम लोगों के बीच लाइव परफार्मेंस के लिए बुला कर ऐसा अवसर बना दिया कि गरीब भी उनका परफार्मेंस आमने सामने बैठकर देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि खुरई की युवा पीढ़ी को खुरई का इतिहास जानना चाहिए, उन्हें पता होना चाहिए कि सन् 1707 में राजा खेमचंद्र दांगी ने इस किले को बनवाया फिर 1752 में किले के भीतर डोहेला मंदिर का निर्माण हुआ जो बड़ा ही पुण्य स्थल है। डोहेला महोत्सव के आयोजन के साथ आज किला डोहेला खुरई की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान बन चुका है। उन्होंने गायक कैलाश खैर के बारे में दर्शकों को बताया कि वे हिंदी के साथ अनेक क्षेत्रीय भाषाओं में गाते हैं। लोक संगीत और सूफी कला के मिश्रण ने उनकी कला को अनूठा बनाया है। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर हैं। नारी सशक्तिकरण सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े हैं। अनेक राज्यों के ब्रांड एंबेसडर हैं।

भूपेन्द्र सिंह को दी राजा की संज्ञा

कैलाश खेर ने कहा कि ऐसा विहंगम दृश्य, ऐसी स्ट्रैसलेस आडिएंस खुरई की है। लग रहा है शिव के किसी धाम या पौराणिक स्थल पर कार्यक्रम देख रहा हूं। डोहेला महोत्सव का नाम सुना तो लगा कि इस जागृत धरती पर यहां कैलासा की सजीव प्रस्तुति होगी। खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह को राजा की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने तीनों जेनरेशन को एक साथ और अनुशासित तरीके से इकट्ठा कर दिया यह चमत्कार है। उन्होंने कहा कि आज की प्रस्तुति सिर्फ मनोरंजन नहीं एक अनुभूति है।

न्यूज विंडो

महुआ बीनने गई महिला को सांप ने डंसा जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में एक महिला को सांप ने डंस लिया जिसे गंभीर हालत में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डाक्टरों द्वारा महिला का इलाज किया गया। जहां महिला की हालत में कुछ सुधार होने पर जबलपुर रेफर किया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार संध्या पिता लक्ष्मण गौड़ उम्र 30 निवासी बैलबाड़ा थाना तेंदूखेड़ा है जो जलहरी के पास खेतों में महुआ बीनने गई थी उसी दौरान सांप ने काट लिया। परिजन महिला को झाड़-फूंक के चक्कर में ना पड़ कर सीधे ही स्वास्थ्य केंद्र ले आए जहां पर महिला की जान बच गई। महिला अब खतरे के बाहर है लेकिन अच्छा उपचार हेतु महिला को जबलपुर रेफर किया गया है।

मंडला की सुनैना अब नहीं रही वन्यजीव प्रेमियों में शोक

मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व की पसंदीदा बाघिन सुनैना (टी-122) अब नहीं रही। कान्हा रेंज की कन्हारी बीट में सिझोरा रोड के पास उसका शव मिला, जिससे वन विभाग और वन्यजीव प्रेमियों में शोक है। बाघिन का शव मिलते ही फील्ड डायरेक्टर रविन्द्र मणि त्रिपाठी और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वॉड की मदद से पूरे इलाके की बारीकी से जांच की गई।

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में बाघिन की नहीं मिली कोई जानकारी

आखिर कहां है बाघिन एन-6 ? कई गांवों में कराई मुनादी, तलाश जारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र में बाघिन एन-6 के देखे जाने संबंधी फैल रही खबरों पर वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन परिक्षेत्र मै यह पूर्णतः नहीं पाई गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि शनिवार को कुछ ग्रामों में मुनादी कराई गई थी, जिसमें बाघिन के घूमने की सूचना दी गई, परंतु जांच के बाद यह जानकारी असत्य पाई गई है।

रविवार को टाइगर रिजर्व से डॉक्टर भी परीक्षेत्र का दौरा करने आए आए थे जिन्होंने भी माना कि इस वन परिक्षेत्र में बाघिन नहीं है।

उन्होंने बताया कि संबंधित बाघिन पिछले वर्ष इस क्षेत्र में आई थी, जिसके कारण वर्तमान में उसकी लोकेशन का पता लगाने के लिए वन विभाग द्वारा सतर्कता बरती जा रही है। बाघिन के गले में लगा कॉलर आईडी वर्तमान में खराब हो जाने के कारण कार्य नहीं कर रही है, जिसे बदलने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है। इसी कारण उसकी सटीक स्थिति का पता लगाने में कठिनाई हो रही है वन विभाग के अनुसार, उक्त बाघिन पिछले लगभग तीन माह से वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी नहीं देखी गई है। इसी आधार पर कुछ लोगों द्वारा यह अनुमान लगाया गया कि वह तेंदूखेड़ा क्षेत्र में देखी गई है, फिर भी हम और पता कर रहे हैं। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें यदि किसी को वन्यजीव दिखाई देता है तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

हिनौती प्लांटेशन में तेंदुए की दस्तक, ग्रामीणों में दहशत

वन परिक्षेत्र अंतर्गत सेलवाडा सर्कल के अंतर्गत स्थित हिनौती में बनी बैलवाड़ा बीट के कक्ष क्रमांक आर एफ 198 बर्ष-2021-2022 में बनी मिश्रित प्लांटेशन में विगत दो-तीन दिनों से एक तेंदुए की सक्रियता देखी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त तेंदुए द्वारा गत दिवस एक बछड़े का शिकार किया गया था। इसके पश्चात रविवार की सुबह ग्रामवासियों एवं प्लांटेशन के चौकीदार द्वारा तेंदुए को पुनः देखा गया।

समिति चौकीदार, जिनका निवास भी इसी प्लांटेशन में है, एवं ग्राम के कुछ लोगों ने बताया कि उन्होंने तेंदुए को मँहुआ के पेड़ पर चढ़ते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा गया। इसके कुछ समय बाद तेंदुए द्वारा एक अन्य बछड़े का शिकार कर उसे जंगल की ओर ले गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया, किंतु मौके पर बछड़ा नहीं मिला। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तेंदुआ शिकार को अपने साथ जंगल क्षेत्र में ले गया। वन विभाग ने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे अत्यंत सतर्कता बरतें,

विशेषकर सुबह और शाम के समय अकेले जंगल या प्लांटेशन क्षेत्र में जाने से बचें। महुआ बीनने 6-7 लोगों से कम ना जाएं पशुधन को सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें तथा बच्चों को अकेले बाहर न जाने दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या तेंदुए के दिखने की स्थिति में तुरंत वन विभाग को सूचित करें। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः सभी से सहयोग एवं सावधानी बरतने का अनुरोध किया जाता है। सहायक वन परिक्षेत्र भगवान दास सेन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्लांटेशन श्रमिकों एवं ग्रामीणों द्वारा तेंदुए के पेड़ पर चढ़ने की पुष्टि की गई है। मँहुआ के पेड़ पर तेंदुए के पंजों के स्पष्ट निशान भी पाए गए हैं, जो उसकी उपस्थिति की पुष्टि करते हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग द्वारा आसपास के ग्रामों में मुनादी कराई गई है।

संघ ने सौंपा ज्ञापन, कहा-शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्यता से असंतोष की भावना हो रही उत्पन्न

सागर। दोपहर मेट्रो

लंबे समय से सेवा दे रहे अनुभवी शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता लागू करना उनके मनोबल को आहत करने वाला कदम है। इससे शिक्षकों में असंतोष और असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है, जिसका प्रभाव शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता और गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। यह बात मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने रविवार को विधायक शैलेंद्र कुमार जैन को सौंपे ज्ञापन में कही है. संघ ने विधायक निवास पहुंचकर राज्य सरकार द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा कराए जाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश में शिक्षकों की नियुक्तियां राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित नियमों एवं विधिक प्रावधानों के तहत विधिवत की गई हैं। इन शिक्षकों ने पिछले 25-30 वर्षों से निष्ठा,

समर्पण और कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी सेवाएं देते हुए प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अनुभव और शिक्षण कौशल से विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि इस विषय की गंभीरता को देखते हुए देश के विभिन्न राज्यों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश शासन से अपेक्षा की गई है कि वह भी संवेदनशीलता के साथ इस मुद्दे पर आवश्यक विधिक पहल करे। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि इस विषय पर मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी तथा आगामी विधानसभा सत्र में इसे प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई

नरवाई जलाने पर प्रशासन की सख्ती, प्रकरण दर्ज

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को लेकर प्रशासन ने सख़्त रुख़ अपनाया है। कलेक्टर संदीप जी आर के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस प्रकार की घटना पर त्वरित कार्रवाई की जाए। इसी परिपेक्ष्य में खेतों के नरवाई जलने पर खुरई तहसील स्थित ग्राम टीहर में बृजेन्द्र सिंग लोधी, निहाल सिंह लोधी एवं दीपेश सिंह लोधी पर थाना खुरई में एफआईआर दर्ज की गईं।

कलेक्टर ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे खेतों में नरवाई फसल की कटाई के बाद बचा अवशेष न जलाएं। नरवाई जलाने से न केवल वातावरण प्रदूषित होता है, बल्कि भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाती है। इसके अलावा इससे आसपास के इलाकों जंगल में आग लगने का भी खतरा बना रहता है। उन्होंने किसानों को नरवाई के निस्तारण के लिए वैकल्पिक उपाय जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर का उपयोग, जैविक खाद बनाने, मल्चर मशीन का उपयोग करने या कंपोस्टिंग विधि से अवशेषों को नष्ट करने की सलाह दी है।

शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बड़वारा मुख्यालय में मंदिर के पास संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण देर शाम बड़वारा के मशीन चौक पर एकत्रित हुए और सड़क जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर शासन-प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय भाजपा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन करीब एक घंटे तक चला।

मेट्रो एंकर

शहर कांग्रेस कार्यालय में मनाई बाबू जगजीवन राम की जयंती

सामाजिक न्याय के योद्धा के रूप में पहचाने जाते थे बाबू जी: जाटव

सागर। दोपहर मेट्रो

जिला शहर कांग्रेस कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम की जयंती का आयोजन किया गया। कांग्रेस जनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर जिला शहर कांग्रेस के अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जन्म 5 अप्रैल 1908 को हुआ था। लोग बाबूजी कहकर बुलाया करते थे। उन्होंने देश और समाज में अलग पहचान बनाई। वो एक कुशल प्रशासक के रूप में पहचाने जाते थे। उन्होंने पं. जवाहरलाल नेहरू की सरकार में श्रम मंत्री रहते हुए न्यूनतम श्रम अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि जैसी कानून बनाए। वह एक कुशल राजनेता और सामाजिक न्याय के योद्धा के रूप में पहचाने जाते थे। रामकुमार पचौरी संगठन महासचिव ने कहा कि उन्होंने बनारस और कोलकाता विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने जो जन चेतना की अलख जगाई आज हम सभी को उनके बताए मार्ग पर

चलने की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के नवनियुक्त शहर के अध्यक्ष बने अरविंद बंटी पंथी का पुष्पहारो से स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदीप गुप्ता, सेवा दल अध्यक्ष सिन्टू कटारे, हेमराज रजक, वीरेंद्र राजे, नरेंद्र मिश्रा, निलेश अहिरवार, महेश अहिरवार, सागर साहू, किरण लता सोनी, ज्योति मालैया, बंटी कोरी, आनंद अहिरवार, आदि उपस्थित थे।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया कल जाएंगे भोजशाला

सत्याग्रह में होंगे शामिल, कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे

धार। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया 7 अप्रैल 2026 को धार का दौरा करेंगे। इस दौरान वे ऐतिहासिक भोजशाला में सत्याग्रह में शामिल होंगे और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक डॉ. तोगड़िया अपने धार प्रवास के दौरान भोजशाला सत्याग्रह में भाग लेंगे। वे यहां कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन भी करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, डॉ. तोगड़िया सुबह 9:30 बजे अखंड ज्योति मंदिर पहुंचेंगे। यहां वे पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए समसामयिक मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। इसके बाद वे शहर के मिलन

महल गार्डन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे, जहां संगठन के विस्तार और आगामी रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। डॉ. तोगड़िया के इस दौरे को लेकर प्रशासन और संगठन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उनके कार्यक्रम के लिए सुरक्षा और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

आईपीएल 2026: हाय रे चेन्नई सुपरकिंग्स के फ्रेंचाइजी की किस्मत!

एक्स-खिलाड़ी दूसरी टीमों में जाकर कर रहे धमाल, जिता रहे मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक दिलचस्प और थोड़ा निराशाजनक ट्रेंड देखने को मिल रहा है। टीम के कई पूर्व खिलाड़ी अब दूसरी फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और मैच जिताने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे छ्रस्थ्य की टीम चयन और रिटेंशन रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि जिन खिलाड़ियों को टीम ने छोड़ा, वही अब विरोधियों के लिए गेम चेंजर साबित हो रहे हैं।

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। शनिवार को खेले गए डबल हेडर में दो जबरदस्त मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने समीर रिजवी की शानदार पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस को हरा दिया। इसके बाद दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने आखिरी ओवर तक चले थ्रिलर में गुजरात टाइटंस को शिकस्त दी। तुषार देशपांडे ने गजब की गेंदबाजी की और गुजरात को आखिरी ओवर में 11 रन नहीं बनाने दिया। ये दोनों खिलाड़ी 2024 के सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में थे और फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन से पहले दोनों को रिलीज किया था। अब ये दोनों दूसरी फ्रेंचाइजी में धमाल मचा रहे हैं। वहीं, चेन्नई की टीम पिछले दो सीजन लगातार जूझ रही है। पिछले सीजन टीम आखिरी स्थान पर रही थी। इस सीजन भी टीम शुरुआती दो मैच हार चुकी है।

समीर रिजवी का जलवा– समीर रिजवी की बात करें तो उन्हें 2024 आईपीएल से पहले सीएसके ने 8.40 करोड़ रुपये देकर अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, उन्हें न तो ज्यादा मौके मिले और जिन मैचों में मौके मिले, उसमें वह कुछ खास नहीं कर पाए। इसके बाद टीम ने उन्हें रिलीज किया और वापस खरीदने की कोशिश भी नहीं की। दिल्ली ने उन्हें पिछले सीजन से पहले ऑक्शन में खरीदा और दो सीजन से वह इसी फ्रेंचाइजी से खेल रहे हैं। पिछले सीजन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन इस साल वह लगातार दो मैच में मुश्किल परिस्थितियों में इम्पैक्ट सब बनकर आए और अपने दम पर टीम को मैच जिताया। एक अप्रैल को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ समीर ने 47 गेंद में नाबाद 70 रन की पारी खेली, जबकि मुंबई के खिलाफ समीर ने 51 गेंद में 90 रन बनाए। 22 साल के इस बल्लेबाज ने दोनों मैच में परिपक्वता दिखाई और शानदार बल्लेबाजी की। वह आईपीएल के राइजिंग स्टार की रेस में शामिल हो चुके हैं। वह इन दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

तुषार की घातक गेंदबाजी

वहीं, तुषार देशपांडे चेन्नई की टीम से काफी मुकाबले खेल चुके हैं। वह, 2022, 2023 और 2024 सीजन में टीम का हिस्सा रहे। 2022 में दो मैचों में तुषार ने एक विकेट लिया था। 2023 में चेन्नई की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। उस सीजन 16 मैचों में तुषार ने 21 विकेट लिए। वहीं, 2024 में चेन्नई के लिए खेलते हुए तुषार ने 13 मैचों में 17 विकेट लिए। इसके बावजूद सीएसके ने उन्हें जाने दिया। तुषार ने पिछले साल राजस्थान से खेलते हुए 10 मैचों में नौ विकेट लिए थे। इस सीजन वह एक मैच में एक विकेट ले चुके हैं। हालांकि, शनिवार को मुंबई के खिलाफ मैच में एक विकेट नहीं, 20वें ओवर में तुषार की गेंदबाजी चर्चा का विषय है। गुजरात को आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे। तब कगिसो रबाडा और राशिद खान क्रीज पर थे। हालांकि, तुषार ने यॉर्कर डाल डालकर गुजरात को रन नहीं बनाने दिया। साथ ही राशिद को आउट भी किया। इस घातक गेंदबाजी के बाद उन्होंने आक्रामक अंदाज में जश्न भी मनाया था। सिर्फ ये दोनों खिलाड़ी नहीं, रवींद्र जडेजा ने भी राजस्थान के लिए अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

चेन्नई की टीम का हाल

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स की बात करें तो टीम अपने शुरुआती दो मैच हार चुकी है। यह 2022 के बाद पहली बार है जब सीएसके ने अपने शुरुआती दोनों मैच गंवाए हैं। संजू सैमसन का आना अब तक कुछ खास नहीं रहा है। वहीं, ऋतुराज गायकवाड़ भी आउट ऑफ फॉर्म दिख रहे हैं। अगर प्लेऑफ में जगह बनानी है तो टीम को एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा टीम की गेंदबाजी भी इस साल कमजोर दिख रही है। जहां एक तरफ फ्रेंचाइजी के पूर्व खिलाड़ी दूसरी टीमों में चमक बिखेर रहे हैं, वहीं सीएसके के मौजूदा खिलाड़ी फॉर्म के लिए जूझ रहे हैं। ऐसे में सीएसके को अपने पूर्व खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखकर सोचना पड़ेगा कि जो फैसले उन्होंने लिए, वह वाकई सही थे, या फिर आगे के मेगा ऑक्शन में उन्हें फिर से वापस लाने की कोशिश की जाएगी। आज उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है।

टिम डेविड-रजत पाटीदार ने किया धुआं-धुआं

5 ओवर में ठोक दिए 97 रन, सीएसके के गेंदबाजों का आरसीबी ने निकाला जुलूस

बेंगलुरु, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी जीत हासिल की। रविवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स (छ्रस्थ्य) को 43 रनों से हराया। मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 250 रन बनाए।

इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की पूरी टीम 19.4 ओवरों में 207 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ डिफेंडिंग चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई। जबकि पांच बार की चैम्पियन सीएसके को लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी है और वो अंकतालिका में आखिरी स्थान पर है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पूर्व कप्तान विराट कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 18 गेंदों पर 28 रन बनाए। इसके बाद फिल साल्ट (46 रन) और देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने अहम पारियां खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पडिक्कल ने कप्तान रजत पाटीदार के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की।

मैच का सबसे बड़ा मोड़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की इनिंग्स के दौरान आखिरी ओवरों में आया, जब रजत पाटीदार और टिम डेविड ने चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए सिर्फ 35 गेंदों पर 99 रनों की नाबाद साझेदारी की। खास बात यह रही कि आरसीबी ने आखिरी 5 ओवरों में 97 रन ठोक डाले।

टिम ने 25 गेंदों में खेली 70 रनों की पारी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पारी के 16वें ओवर में 19, 17वें ओवर में 21, 18वें ओवर में 14, 19वें ओवर में 30 और आखिरी ओवर में 13 रन बने। टिम डेविड ने 25 गेंदों पर नाबाद 70 रन बनाए, जिसमें 8 छक्के और 3 चौके शामिल थे। जबकि रजत पाटीदार ने 19 बॉल पर 48 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 छक्के और एक चौका शामिल था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का ये तीसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहली बार आरसीबी ने इतने रन बनाए। आरसीबी की ओर से इस मैच में 19 छक्के लगे, जो आईपीएल की एक पारी में आरसीबी द्वारा लगाए गए तीसरे सबसे अधिक छक्के हैं। साथ ही सीएसके के खिलाफ किसी भी टीम द्वारा एक पारी में लगाए गए सबसे अधिक सिक्सर भी हैं।

भारतीय गेंदबाज का हैरान करने वाला रिकॉर्ड!

पियूष चावला ने अपने आईपीएल कॅरियर में 386 ओवर तक नहीं फेंकी एक भी नो-बॉल

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल में हर सीजन कुछ ऐसे अजूबे देखने को मिलते हैं, जिनकी कल्पना करना भी मुश्किल होता है। कभी बल्लेबाजों का तूफान, तो कभी गेंदबाजों का कमाल, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो खेल की बारीकियों और अनुशासन की मिसाल बन जाते हैं। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला रिकॉर्ड एक भारतीय गेंदबाज के नाम है, जिसने लगातार सैकड़ों ओवर फेंके, लेकिन एक भी नो-बॉल नहीं की। यह अनोखा रिकॉर्ड भारत के अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला के नाम दर्ज है। उन्होंने आईपीएल में लगातार 386 ओवर तक एक भी नो-बॉल नहीं फेंकी, जो अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है।

यह सिलसिला आईपीएल के पहले सीजन आईपीएल 2008 से शुरू होकर 2016 तक चला। 386 ओवर यानी कुल 2316+ गेंदें, और एक भी फ्रंट-फुट नो-बॉल नहीं। उनकी पहली नो-बॉल 2016 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ आई।

अनुशासन और कंट्रोल की मिसाल

टी20 जैसे तेज और दबाव वाले फॉर्मेट में गेंदबाज अक्सर रफ्तार या वैरिएशन के चक्कर में लाइन क्रॉस कर देते हैं। लेकिन पियूष चावला का यह रिकॉर्ड दिखाता है कि उनकी गेंदबाजी में कितना कंट्रोल और अनुशासन था। एक लेग स्पिनर के लिए यह और भी खास है, क्योंकि स्पिनर्स को भी अक्सर विविधता लाने के दौरान संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। पीयूष चावला आईपीएल इतिहास के सफल गेंदबाजों में भी गिने जाते हैं। वह विकेट लेने के मामले में युजवेंद्र चहल और सुनील नरेन जैसे बड़े नामों के साथ चर्चा में रहते हैं। 386 ओवर तक बिना नो-बॉल के गेंदबाजी करना सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि अनुशासन, तकनीक और धैर्य का बेहतरीन उदाहरण है।

पीयूष इस मामले में चौथे स्थान पर

वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में फिलहाल चौथे नंबर पर हैं। चहल ने अभी तक 224 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर 199 विकेट के साथ दूसरे और सुनील नरेन 193 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। पीयूष 192 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं। पीयूष आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब और मुंबई इंडियंस से खेल चुके हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

दिव्यांका त्रिपाठी के बेबी शॉवर में जुटे टीवी सितारे, ये हैं मोहब्बतें की टीम ने बढ़ाई रौनक

शादी के 10 साल बाद दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया माता-पिता बनने वाले हैं। बीते महीने ही कपल ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को खुशखबरी देते हुए प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। अब मुंबई में अभिनेत्री का बेबीशॉवर रखा गया है, जहां मां और बच्चे को आशीर्वाद देने के लिए टीवी के जाने-माने चेहरे पहुंचे। बेबीशॉवर पर सीरियल %ये हैं मोहब्बतें% की पूरी टीम को देखा गया।

दिव्यांका त्रिपाठी के बेबी शॉवर में टीवी के कई सेलेब्स भी देखे गए। %ये हैं मोहब्बतें% में रूही का किरदार निभाने वाली रुहानिका धवन भी बेबी शॉवर का हिस्सा बनीं। दिव्यांका और रुहानिका का बॉन्ड बहुत प्यारा है। दोनों ने कई साल तक एक ही सीरियल में काम किया था। इसके अलावा अमित टंडन, शिरीन मिर्जा, संदीप सिकंद, करणवीर ग्रोवर, धीरज धूपर, श्रद्धा आर्या, कुनिका सदानंद, आकांक्षा पुरी, और भारतीय फैशन डिजाइनर अर्चना कोचर को देखा गया। सभी लोग गिफ्ट लेकर पहुंचे और दिव्यांका को खूब सारी बधाई भी दी।

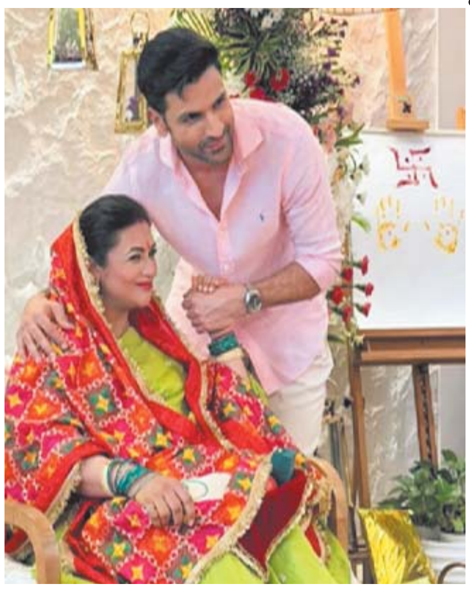

पहले दो बेबीशॉवर होस्ट कर चुका कपल

प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के बाद शिरीन मिर्ज़ा ने दिव्यांका के साथ मुलाकात की थी और अभिनेत्री के साथ क्यूट फोटोज भी पोस्ट की थी। बता दें कि शिरीन मिर्ज़ा भी टीवी सीरियल ये हैं मोहब्बतें का हिस्सा रही थीं। उन्होंने सीरियल में दिव्यांका की ननद पम्मी का रोल प्ले किया था। यह दिव्यांका की पहली बेबी शॉवर पार्टी नहीं है। इससे पहले कपल दो बेबीशॉवर होस्ट कर चुका है। बीते दिन अभिनेत्री ने परिवार के करीबी लोगों के साथ गोद भराई की रस्म की थी, जिसमें वो ग्रीन आउटफिट में दिखीं थीं। सभी ने दिव्यांका की गोद फलों से भरते हुए आशीर्वाद दिया था। हालांकि गोद भराई से जुड़ी फोटोज कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं की है।

सुनंदा शर्मा को छूना चाहता था छात्र, विवाद के बाद मांगी माफी, सिंगर बोलीं- मेरा दिल दुखा है

पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा ने हाल ही में अपना एक लेटेस्ट वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने गाजियाबाद के ऋयतढ्ढ्ञ में एक स्टेज शो के दौरान हुई चौंकाने वाली घटना पर बात की है. इस पर रिएक्शन देते हुए सिंगर ने कॉलेज मैनेजमेंट से रिक्वेस्ट की कि वे उस छात्र को माफ कर दें. इसके अलावा उस मंच पर कूदने वाले छात्र ने भी सिंगर से माफी मांग ली है.

जिन्हें नहीं पता उन्हें बता दें कि सुनंदा शर्मा एक फेस्टिवल के लिए कॉलेज गई थीं. उनके स्टेज शो के दौरान अचानक एक स्टूडेंट स्टेज पर कूद गया. जिससे सिंगर और दर्शक दोनों ही घबरा गए. स्टेज पर आने के बाद, सुनंदा अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत स्टेज से हट गईं. दूसरी ओर, सिक्योरिटी टीम ने तुरंत उस स्टूडेंट को स्टेज से बाहर निकाल दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबित, युवक ने सिंगर के करीब जाकर उन्हें छूने की कोशिश की और फिर उनके पैरों पर गिर पड़ा. इस अचानक हुई हरकत और फिजिकल टच की कोशिश से सिंगर घबरा गईं थीं. पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जाकर एक वीडियो शेयर किया. इस वीडियो में उन्होंने बताया कि गाजियाबाद के ऋयतढ्ढ्ञ कॉलेज में शो के दौरान एक छोटी-मोटी गड़बड़ हो गई थी. उन्होंने कहा कि हर कोई डर गया था. उस स्टूडेंट को स्टेज पर देखकर वह जोर से चिल्लाई थीं. सुनंदा ने माना कि वह इस तरह की स्थिति के लिए तैयार नहीं थीं. सिंगर ने फैंस को बताया कि कॉलेज ने उस स्टूडेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है. हालांकि, सुनंदा ने इंस्टीट्यूट के मैनेजमेंट से अपील की है कि वे उस स्टूडेंट को माफ कर दें. उन्हें लगता है कि शायद उस स्टूडेंट की नीयत खराब नहीं थी।

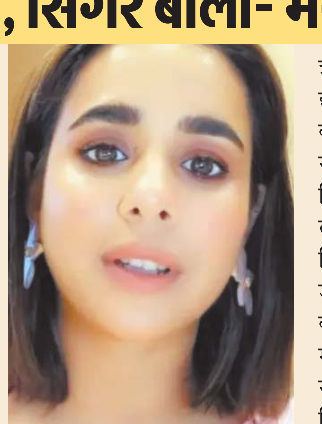

मेट्रो बाजार

ईरान युद्ध संकट के बीच सीआईआई ने उद्योगों के लिए अधिक राजकोषीय और मौद्रिक रियायतों की मांग की

नई दिल्ली । देश के शीर्ष औद्योगिक निकाय भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को ईरान युद्ध संकट के चलते पैदा हुई अनिश्चितता से निपटने के लिए उद्योगों के लिए अधिक राजकोषीय और मौद्रिक रियायतों की मांग की। साथ ही, सरकार द्वारा इस समस्या से निपटने के लिए अब तक उठाए गए कदमों की सराहना की। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, सरकार और आरबीआई ने तेज प्रतिक्रिया, स्पष्टता और समन्वय के साथ काम किया है। शुरुआती उपायों से बाजार की भावना को स्थिर करने में मदद मिली है और यह साबित हुआ है कि भारत का नीतिगत ढांचा बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील और लचीला दोनों है। साथ ही, सीआईआई ने पाया कि स्थिति लगातार बदल रही है, और ऊर्जा, रसद और व्यापार चैनलों में आपूर्ति पक्ष का दबाव शुरुआती चरण से आगे भी बना हुआ है। उद्योग जगत से मिली प्रतिक्रिया से पता चलता है कि नीतिगत उपायों के पहले दौर ने भले ही तात्कालिक प्रभाव को कम किया हो, लेकिन कई क्षेत्र परिचालन और वित्तीय तनाव का सामना कर रहे हैं। बनर्जी ने कहा, ÷पूर्व संकटों के दौरान भारत के अनुभव से पता चलता है कि समन्वित राजकोषीय और मौद्रिक कार्रवाई से लचीलेपन को काफी हद तक मजबूत किया जा सकता है। इसलिए, नीतिगत प्रतिक्रिया के अगले चरण में लक्षित तरलता सहायता, ऋण सुविधा, व्यापार लागत प्रबंधन और विदेशी मुद्रा स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता हो सकती है।

मार्च में आईपीओ फाइलिंग बढ़ी, 38 कंपनियों ने सेबी के पास जमा कराए अपने ड्राफ्ट पेपर

मुंबई । भारत के आईपीओ मार्केट में मार्च 2026 में गतिविधियों में बढ़त देखने को मिली है और 38 कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराएं हैं। बीते साल मार्च में 22 कंपनियों ने, जबकि मार्च 2024 में 16 कंपनियों ने आईपीओ लाने के लिए डीआरएचपी जमा कराई थी। बाजार के जानकारों का मानना है कि अधिक मात्रा में डीआरएचपी का आना कंपनियों का बढ़ता आत्मविश्वास और नियामक अनुमोदन की समयसीमा के अनुरूप रणनीतिक रूप से दाखिल किए गए दस्तावेजों का सही समय पर प्रस्तुत करना है।

आने वाले हफ्तों में भी यह गति जारी रहने की उम्मीद है, क्योंकि कई कंपनियां अपने ड्राफ्ट पेपर जमा करने की तैयारी कर रही हैं। मार्च में डीआरएचपी दाखिल करने वाली 38 कंपनियों में से नौ कंपनियों ने गोपनीय तरीके से दस्तावेज दाखिल करने का विकल्प चुना। एक्सिस कैपिटल ने एक रिपोर्ट में आईपीओ पाइपलाइन के बारे में बताते हुए कहा कि 64 कंपनियां वर्तमान में सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जबकि 124 कंपनियों को नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपने आईपीओ लॉन्च नहीं किए हैं। इसके अतिरिक्त, मार्च 2025 से अब तक 20 कंपनियों ने गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग का विकल्प चुना है। पिछले वित्तीय वर्ष में आईपीओ का व्यापक परिदृश्य सक्रिय रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 109 मेनबोर्ड आईपीओ लॉन्च किए गए, जिनमें से 69 अपने निर्गम मूल्य से ऊपर सूचीबद्ध हुए। हालांकि, 31 मार्च 2026 तक, इनमें से तीन कंपनियां अभी तक स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध नहीं हुई थीं।

जापान में चेरी ब्लॉसम

800 किस्मों के लाखों पेड़ों से गुलाबी हुआ देश, दो हफ्ते ऐसा नजारा

टोक्यो। जापान में इन दिनों विश्व प्रसिद्ध चेरी ब्लॉसम का सीजन चल रहा है। इससे पूरा देश गुलाबी और सफेद फूलों की चादर से ढक गया है। जापान में चेरी ब्लॉसम की 800 से ज्यादा किस्में पाई जाती हैं, लेकिन यहां के 80 फीसदी पेड़ 'सोमेई-योषिनो' प्रजाति के हैं। इनका जीवन मात्र 7 से 14 दिन का ही होता है। इन फूलों को देखने के लिए लाखों लोग देश-विदेश से यहां पहुंचते हैं। इन फूलों को न सिर्फ देखा जाता है, बल्कि इनकी पंखुड़ियों को सुखाकर चाय और मिठाइयों में भी इस्तेमाल किया जाता है। अगले एक हफ्ते तक यह नजारा बना रहेगा, जिसके बाद पंखुड़ियां गिरना शुरू हो जाएंगी। इससे जापान में पर्यटन बढ़ता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को फायदा होता है।

असम के बरपेटा में प्रधानमंत्री ने चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर निशाना साधा

कांग्रेस में लंबे समय का विजन नहीं उनकी हार की सेंचुरी लगेगी: मोदी

बरपेटा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के बरपेटा में चुनावी सभा के दौरान कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस की हार की सेंचुरी लगेगी। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने इस बार दो काम पक्के कर लिए हैं। एक तो इस बार असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक लगेगी और दूसरा काम, कांग्रेस के शाही परिवार के नामदार जो दिल्ली में बैठे हैं, उनकी हार की सेंचुरी का रिकॉर्ड भी असम के लोग ही बनवाएंगे। उन्होंने बीजेपी के स्थापना दिवस पर हर कार्यकर्ता और पार्टी से जुड़े हर व्यक्ति को दिल से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग नेशन फर्स्ट के मंत्र के साथ मां भारती की सेवा में समर्पित हैं। उनका संकल्प आत्मनिर्भर भारत बनाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी सरकार, साफ नीयत से जनता को बताती है कि हमने जनता की सेवा के लिए क्या किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के लोगों से कहा कि उनका वोट इस बार विकसित असम के निर्माण की नींव को और मजबूत करने वाला है। बीजेपी असम को उस बुलंदी की तरफ लेकर जा रही है, जिसके असम के लोग हकदार हैं। कांग्रेस

पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'कांग्रेस में हमेशा लंबे समय का विजन नहीं रहा। उनका ध्यान करप्शन करने के लिए शॉर्ट-टर्म फायदे पर था। विकसित असम के लक्ष्य के साथ, हम विकसित भारत के बड़े विजन की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इस विजन के साथ, पिछला दशक पूरी तरह से असम को डर और अस्थिरता से बाहर निकालने के लिए समर्पित था। पिछला दशक असम की पहचान बचाने के बारे में था। अगला दशक असम को आत्मनिर्भर बनाने और इसकी पहचान को ग्लोबल स्टेज पर ले जाने के बारे में होगा।'

किसानों के मुद्दे पर घेरा

पीएम मोदी ने कहा, '2014 के पहले के 10 वर्षों में जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश के धान किसानों को एमएसपी के सिर्फ 4 लाख करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन 2014 के बाद के 10 वर्षों में धान किसानों को हमारी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। साफ है कांग्रेस कभी धान किसानों का भला नहीं कर सकती। 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब धान का एमएसपी मात्र 1,300 रुपए/क्विंटल था। आज धान का एमएसपी करीब 2,370 रुपए/क्विंटल है और असम की भाजपा सरकार अपनी तरफ से भी इसमें वृद्धि करती है।' महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा, 'विकसित भारत बनाने के लिए विधानसभा में और संसद में महिलाओं की भूमिका हो, ये बहुत जरूरी है, इसलिए हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हुआ है। देश की बहन बेटियों ने 40 साल तक इसका इंतजार किया है। इसलिए जरूरी है 2029 के लोकसभा चुनाव से ही महिलाओं को ये हक मिले। इसके लिए कानून में संशोधन आवश्यक है।

असम: कांग्रेस ने पत्नी के पासपोर्ट को लेकर घेरा, सीएम हिमंत ने लगाया पाकिस्तानी साजिश का आरोप

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा और गौरव गोगोई द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप द्वारा सप्लाई किए गए फर्जी सामग्री पर आधारित बताते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने

अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के नाम पर लगाए गए मल्टीपल पासपोर्ट और विदेशी संपत्ति के आरोपों को पूरी तरह फर्जी और एआई फोटोशॉप बताया।

विवाद की शुरुआत कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा रविवार को दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस से हुई। खेड़ा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन देशों संयुक्त अरब अमीरात (UAE), एंटीगुआ और बारबुडा तथा मिस्र के पासपोर्ट हैं।

हिमंत सरमा का पलटवार: मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यूएई पासपोर्ट मूल रूप से एक पाकिस्तानी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया था।

न्यूज विंडो

पुल-अप्स करते समय बास्केटबॉल पोल गिरने से छात्र की मौत

पुणे। पुणे के एक मरीन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में 20 साल के छात्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उसके ऊपर बास्केटबॉल का बैकबोर्ड गिर गया था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।दरअसल, तोलानी मैरीटाइम इंस्टीट्यूट में दूसरे साल का छात्र विशाल वर्मा सुबह कैंपस में मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर निकला था। वह बास्केटबॉल के हूप पर लटक कर पुल-अप्स कर रहा था, तभी पूरा फ्रेम उसके ऊपर गिर गया और उसके सिर में बहुत ज्यादा खून बहने लगा। कैंपस में मौजूद साथी छात्र और स्टाफ उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।विशाल के लिंक्डइन अकाउंट के मुताबिक, वह उत्तर प्रदेश के बस्ती का रहने वाला था। उसने 2024 में पुणे स्थित इस इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया था।

पंजाब के फिरोजपुर कोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर की अदालत को एक बार फिर से धमकी भरी ईमेल मिलने के बाद सोमवार को कोर्ट परिसर को खाली करवा लिया गया है। पता चला है कि राज्य में फिरोजपुर अमृतसर की जिला अदालतों को यह धमकी मिली है। बेशक अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रोजाना की भांति जैसे ही कोर्ट स्टाफ वकील सहित अन्य लोग कोर्ट में पहुंचे तो अचानक से कोर्ट को खाली करवाने के आदेश आए। सुबह 9:45 पर कोर्ट परिसर को खाली करवाना शुरू कर दिया गया।एडवोकेट रोहित अरोड़ा और एडवोकेट अर्शदीप सिंह रंधावा ने बताया कि ऐसा दूसरी बार हुआ है कि जब 2महीने के भीतर कोर्ट में धमकी आई हो।

अवैध हथियार तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़, आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी

नालंदा। नालंदा जिले में आज तड़के सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हड़कंप मचा दिया। लहेरी थाना क्षेत्र के व्यस्ततम इलाके पोस्ट ऑफिस मोड़ स्थित 'पीके गन हाउस' में सुबह से ही एनआईए और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम छापेमारी कर रही है। समाचार लिखे जाने तक पिछले तीन घंटे से अधिक समय से सर्च ऑपरेशन जारी है।सूत्रों के मुताबिक, एनआईए की टीम नालंदा में कुल आधा दर्जन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त, स्मगलिंग और संदिग्ध धंधेबाजों के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के उद्देश्य से की जा रही है।इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए जिला स्तर पर 100 से अधिक पुलिस पदाधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की गई है। टीम ने सुबह-सुबह ही चिन्हित ठिकानों की घेराबंदी कर ली, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच किसी भी बाहरी व्यक्ति को छापेमारी स्थल के पास जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनखवा में बारिश का तांडव, 23 बच्चों समेत 45 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। पिछले 10 दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 105 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने रविवार को दी।पीडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, 25 मार्च से जारी लगातार बारिश के कारण हुए हादसों में मरने वालों में 23 बच्चे, 17 पुरुष और 5 महिलाएं शामिल हैं। वहीं घायलों में 45 पुरुष, 16 महिलाएं और 44 बच्चे हैं। भारी बारिश के चलते कई जिलों में मकानों की छतें और दीवारें गिर गईं, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

382 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त

रिपोर्ट के मुताबिक, 442 घर प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 382 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं और 60 पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। ये घर दो दर्जन से अधिक जिलों में स्थित हैं। पीडीएमए की रिपोर्ट में

आगे कहा गया है कि बचाव और राहत कार्य जारी हैं और पीडीएमए, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

9 अप्रैल तक फिर से बारिश का अलर्ट

पीडीएमए के महानिदेशक ने चेतावनी दी है कि 9 अप्रैल तक प्रांत के कई हिस्सों में फिर से बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसके मद्देनजर पर्यटकों और स्थानीय लोगों को संवेदनशील क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने और सरकारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।

नरसिंहपुर में भीषण अग्निकांड,कबाड़ गोदाम राख, लाखों का नुकसान

नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय के मुशरान वार्ड स्थित पटेल नगर की गली नंबर चार में सुबह एक भीषण हादसे की गवाह बनी। तड़के करीब 5:30 बजे एक कबाड़ गोदाम में अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इस घटना में संचालक को लाखों रुपये की चपत लगी है।यह गोदाम महमूद खान के स्वामित्व वाले भूखंड पर टीन शेड डालकर बनाया गया था, जिसे नीलेश पिता जानकी कोरी (34 वर्ष) किराए पर लेकर संचालित कर रहे थे। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को सूचित किया गया। करीब आधे घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने मोर्चा संभाला।कागज के गत्तों की अधिकता के कारण आग बुझाने में भारी परेशानी हुई।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड्स की सलामी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड द्वारा लाल परेड ग्राउंड में आयोजित समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में सलामी दी गई।

दिल्ली-मुंबई दहलाने की साजिश

जैश और आईएस से जुड़े दो आतंकी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली और मुंबई को खिलौना बम से दहलाने की साजिश रच रहे दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आईएस से जुड़े दोनों संदिग्धों मोसाब अहमद और मोहम्मद हमाद कालरा को महाराष्ट्र के कल्याण और कुर्ला से गिरफ्तार किया गया है। मुंबई निवासी दोनों संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर के संपर्क में थे। जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई एटीएस के साथ मिलकर रविवार को दोनों आतंकियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से आपत्तिजनक दस्तावेज और मोबाइल फोन समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। दोनों आतंकी मिशन खिलाफत और सोल्जर ऑफ प्रॉफेट समूहों से जुड़े थे और पाकिस्तान में जैश कमांडर के संपर्क में थे।

दोनों ने इंटरनेट के जरिये खिलौना बम बनाना सीखा और दिल्ली-मुंबई

में धमाकों को अंजाम देने की फिराक में थे। मुंबई एटीएस ने कुछ समय पहले आईएस (इस्लामिक स्टेट) से जुड़े कुछ आतंकियों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ में इन दोनों के बारे में जानकारी मिली थी।

युवाओं को भर्ती करते थे

पुलिस ने बताया, दोनों आतंकी भारत में कट्टरपंथी युवाओं को भर्ती कराते हैं। इनका मकसद भारत में आईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना और कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार करना है। युवाओं को भड़काऊ सामग्री के माध्यम से कट्टरपंथी बना रहे हैं। इन्हें पाकिस्तान और अफगानिस्तान के माध्यम से हथियार मुहैया कराए जाते हैं।

कोर्ट में किया जाएगा पेश

मुंबई से गिरफ्तार कर दिल्ली लाए गए जैश-ए-मोहम्मद आतंकी मोसाब अहमद और मोहम्मद हमाद को भी आज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर स्पेशल सेल पूछताछ के लिए रिमांड पर लेगी।ये दोनों आतंकी भी सीरिया के आतंकी संगठन आईएसआईएस से भी जुड़े थे। दोनों को आईएसआईएस के हैंडलर ने सोशल मीडिया के जरिए खिलौना कार बम बनाने का प्रशिक्षण दिया था। दोनों खिलौना कार बम बनाने में माहिर हैं।

मेट्रो एंकर | सिलेंडर की बढ़ती कीमतों का सीधा असर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों पर

महंगे सिलेंडर ने बिगाड़ा छात्रों का बजट, पढ़ाई पर असर

नई दिल्ली , एजेंसी

एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमतों का असर अब दूसरे राज्यों से दिल्ली आकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों पर पड़ रहा हैं। सीमित बजट में जीवन यापन करने वाले इन छात्रों के लिए अब न सिर्फ महंगा गैस सिलेंडर खरीदना मुश्किल हो गया है, बल्कि समय पर सिलेंडर न मिलना भी उनकी दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है।

मुखर्जी नगर, कटवारिया सराय, लक्ष्मी नगर और साकेत समेत कई इलाकों में रहने वाले छात्र सिलेंडर की बढ़ी कीमतों से परेशान हैं। यूपीएससी और एसएससी अभ्यर्थियों के अनुसार, बुकिंग के बाद भी सिलेंडर 5 से 7 दिन की देरी से मिल रहा है। ऐसे में उन्हें या तो महंगे दामों पर प्राइवेट सप्लायर से सिलेंडर लेना पड़ रहा है या फिर अस्थायी विकल्पों पर निर्भर होना पड़ता है।

बिहार से आकर मुखर्जी नगर में तैयारी कर रहे छात्र रवि ने बताया कि सिलेंडर खत्म होने के बाद उन्हें कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने बाहर खाना खाया, जिससे उनका खर्च दोगुना हो गया। वहीं, राजस्थान से आए अन्य छात्र मनोज ने बताया कि कुछ स्थानीय विक्रेता मौके का फायदा उठाकर सिलेंडर ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं।

विकल्प तलाशने को मजबूर छात्र

स्थिति से निपटने के लिए कुछ छात्र इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रिक कुकर और साझा रसोई जैसे विकल्प अपना रहे हैं। हालांकि, बिजली के बढ़ते बिल और उपकरणों की लागत के कारण ये विकल्प भी सभी के लिए आसान नहीं हैं। कई छात्र मिलकर एक ही सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं, ताकि खर्च को बांटा जा सके। वहीं,गैस की बढ़ती कीमत और आपूर्ति की समस्या का असर स्थानीय खाद्य बाजार पर भी साफ दिख रहा है। ढाबों और छोटे रेस्तरां को भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा, जिससे लागत बढ़ रही है। यही वजह है कि खाने-पीने की चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर चिंता

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अधिकांश छात्र पहले से ही सीमित संसाधनों में जीवन यापन करते हैं। गैस की बढ़ती कीमत और आपूर्ति में अनियमितता ने उनके मासिक बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। कई छात्र अब खाना बनाने के बजाय सस्ते ढाबों या टिफिन सेवाओं पर निर्भर हो रहे हैं, जो लंबे समय में उनकी सेहत पर असर डाल रहा है। छात्रों के अनुसार, यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक तनाव का कारण भी बन रही है। पढ़ाई के महत्वपूर्ण समय में रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर चिंता उनकी एकाग्रता को प्रभावित कर रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564